कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDl : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

संगठनात्मक गतिविधियां

विशाल रैली, मोरान, डिब्रूगढ़ (असम)........ 6
हावड़ा (पश्चिम बंगाल) रैली........ 8
सर्बानंद सोनोवाल असम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित........ 9
तमिलनाडु प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष बनी रहेंगी तमिलीसाई........ 9

सरकार की उपलब्धियां

प्रधानमंत्री ने पारादीप रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित किया........ 10
राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर राष्ट्र को समर्पित... 10
इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में 1.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश........ 10
ऑस्ट्रेलिया में दौड़ेगी भारत में बनी मेट्रो........ 11
ब्रह्मपुत्र क्रेकर एंड पॉलिमर लिमिटेड और एक वैक्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित 11
इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू........ 12

वैचारिकी

भाजपा के भविष्य से देश का भविष्य जुड़ गया है
अटल बिहारी वाजपेयी........ 13

श्रद्धांजलि

पं. दीनदयाल उपाध्याय........ 15

लेख

स्मार्ट सिटी मिशन से बदलेगा भारत
- एम. वेंकय्या नायडु........ 21

अन्य

विशाल रैली कोट्टायम, केरल........ 16
फ्रांस के राष्ट्रपति का भारत दौरा........ 18
एयरटेल-इकनॉमिक टाइम्स ग्लोबल बिजनेस सम्मेलन........ 23
मन की बात........ 28
पार्टी पुस्तकालय एवं अभिलेखागार का उद्घाटन संपन्न........ 30

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

महा शिवरात्रि

की हार्दिक शुभकामनाएं!

फेसबुक

सोशल मीडिया से...

twitter

श्री नरेंद्र मोदी

चाय बगान के कार्यकर्ताओं ने पूरे विश्व में असम को गौरवान्वित किया है और हम उन्हें राज्य में एक अवसर प्रदान करना तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं।

.....

श्री अमित शाह

असम के अन्दर एक ऐसी सरकार चाहिए जो बोडोलैंड के विकास के लिए समर्पित हो, कांग्रेस के 15 साल के राज में असम विकास की दौड़ में पिछड़ गया है। जिस राज्य में माताएं एवं बहने सुरक्षित ना हों वो राज्य विकास नहीं कर सकता, असम में अगर भाजपा के नेतृत्व की सरकार बनती है तभी असम का विकास हो सकता है।

.....

श्री अरुण जेटली

उत्तर प्रदेश में पत्रकारों पर हमला निंदनीय है। घटना की स्वतंत्र जांच की जानी जाना चाहिए।

.....

श्री राजनाथ सिंह *@BJPRajnathSingh*

सियाचीन में अपने सैनिकों के निधन का समाचार सुनकर अत्यंत पीड़ा हुई। संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

.....

श्री राधामोहन सिंह *@RadhamohanBJP*

देश में पहली बार दुग्ध उत्पादन में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि विश्व में दुग्ध उत्पादन में औसतन 2.2 प्रतिशत की वृद्धि ही दर्ज की जा रही है।

.....

श्री रविशंकर प्रसाद *@rsprasad*

गांव में गरीब लोगों को शक्ति प्रदान करने के लए 1.40 लाख कॉमन सर्विस केंद्रों पर डिजिटल डिलीवरी प्रदान की जा रही है।

.....

पाथेय

संगठन

कई बार विचार आता है कि कांटे से कांटा निकालो। गलत रास्ते पर चलने वालों को गलत साधनों का उपयोग कर सफलता प्राप्त करने की कोशिश करने का मोह होता है, लेकिन गलत रास्ते पर चलकर कभी भी सही नतीजे नहीं निकल सकते। थोड़ी बहुत मात्रा में सफलता मिल भी जाय, तो वह स्थाई नहीं हो सकती। सही तरीके से ही गलत तत्वों पर विजय हासिल करनी होगी। इन सारी बातों पर ध्यान रखकर ही हमें संगठन खड़ा करना है। हर एक संगठन का अपना एक उद्देश्य है और उस उद्देश्य पूर्ति की दृष्टि से ही उसका गठन और विस्तार करना होगा। भारत जैसे बड़े देश में भाषा, खान-पान, सामाजिक और अथिक विभिन्नताएं, भौगोलिक विविधताएं वाले देश में प्रजातांत्रिक विचारों की सरकार ही होगी।

– कुशाभाऊ ठाकरे

भाजपा ही राष्ट्र की एकमात्र आशा

विभिन्न राज्यों में आजकल कांग्रेस का शासन भ्रष्टाचार और कुशासन का पर्याय बन गया है। यह एक वास्तविकता है जिसे कोई झुठला नहीं सकता। एक बार फिर यह तथ्य हाल के सोलर घोटाले से साबित हो जाता है। कांग्रेस इस तथ्य को बार-बार सिद्ध करने में निपुणता प्राप्त कर रही है। चाहे कांग्रेस का शासन केन्द्र या राज्यों में कहीं भी हो कांग्रेस और भ्रष्टाचार हाथ में हाथ डाल कर घूम रहे हैं। यह दोनों एक-दूसरे के पर्याय बन कर रह गए हैं। केरल और हिमाचल प्रदेश, जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां इसके मुख्यमंत्रियों ओमन चांडी और वीरभद्र सिंह के खिलाफ गम्भीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं। असम में कांग्रेस अपना समर्थन खो चुकी है और वह गठबंधन भागीदारों की तलाश में है ताकि किसी तरह विधानसभा चुनाव जीत सके। न केवल वह अपने शासित राज्यों में लोगों को राहत पहुंचाने में असफल रही है बल्कि उसके नेता अनेक बार भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह देखकर बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण महसूस होता है कि कांग्रेस नेतृत्व बार-बार चुनावों में हारने के बाद भी कोई सुधार करना नहीं चाहती है और परिणामस्वरूप आए दिन कांग्रेस विभिन्न क्षेत्रों में ह्रास की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। वह कर्नाटक, केरल, असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड तथा अन्य कई राज्यों में जहां वह आज सत्ता में है, भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने में असफल रही है। लोग अपने को ठगा महसूस करते हैं और इन राज्यों में वह हारती दिखाई पड़ती है।

जब कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार केन्द्र में थी, वह घोटालों-भ्रष्टाचार के दल-दल में डूबी रही। हर दिन नए-नए घोटाले उजागर होते थे। हर नया घोटाला परिमाण मात्रा में पहले वाले घोटाले से भी बड़ा नजर आता था। इन सभी घोटालों में कांग्रेसजनों की संलिप्तता दिखाई पड़ती है। कोलगेट, आदर्श सोसाइटी घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला इन बड़े घोटालों के कुछ ऐसे उदाहरण है जिसमें निश्चित ही कांग्रेस की भागीदारी दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, नेशनल हेराल्ड वर्तमान मामले से साफ दिखाई पड़ता है कि किस प्रकार से पूरी कांग्रेस पार्टी में भ्रष्टाचार गहरी जड़ें जमा चुका है। भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक कांग्रेस को जकड़ चुकी है। इससे पार्टी की मानसिकता पूरी तरह से दिखाई पड़ती है जिसने भ्रष्टाचार को अपनी संस्कृति बना लिया है। जब कभी भी कांग्रेस सत्ता में आती है तो जैसे भ्रष्टाचार उसका एक नियम सा बन जाता है और पूरी व्यवस्था इस विकृति का शिकार बन जाती है। इसने एक प्रकार की राजनैतिक संस्कृति को जन्म दिया है जो इस पूरे देश के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रही है। दुर्भाग्य की बात है कि कई अन्य पार्टियां भी कांग्रेस के पदचिह्नों पर चल पड़ी है और देश की की तकदीर को बदलने में बाधा बन रही है। इसने विकास-विरोधी मानसिकता को जन्म दिया है और लोकतंत्र के नाम पर सरकारी धन की खुलेआम लूट को प्रश्रय दे रही है। कांग्रेस को जनता की सम्पत्ति लूटने की मानसिकता और भ्रष्टाचार की संस्कृति के लिए बार-बार जनता द्वारा चुनावों में दण्ड भी दिया गया है।

भाजपा लोगों के लिए एक उम्मीद बन कर उभरी है। न केवल कांग्रेस, बल्कि अन्य राजनैतिक पार्टियां, जैसे पश्चिम बंगाल में टीएमसी भी असफल सिद्ध हुई है। अब लोग कम्युनिस्टों की तरफ विकल्प के लिए देखना बंद कर चुके हैं, हालांकि उन्हें पहले ही अतीत की पार्टी बना दिया गया है। बिहार में लालू-नीतीश के राज्य में 'जंगलराज' फिर से पदार्पण कर रहा है। उत्तर प्रदेश में एसपी और बीएसपी के कारनामें लोगों से छुपे नहीं हैं। आज केवल भाजपा ऐसी पार्टी है जिसके पास समर्पित कार्यकर्ताओं का समूह है जो वैचारिक दृष्टि से काम करते हैं और सिद्धान्तयुक्त राजनीति के प्रति वचनबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर राष्ट्र ने फिर से विश्वास उत्पन्न किया है जिन्होंने सुशासन का फ्रेमवर्क तैयार कर विकास का नया युग शुरू किया है। इससे विकास की तेज गति को बढ़ावा मिला है। भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। वह एक ऐसी मॉडल राजनैतिक पार्टी तैयार कर रहे हैं जो मां भारती की सेवा में चिरकाल तक समर्पित रह सके। प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह समय है कि वह लोगों की सेवा में बढ़-चढ़कर जिम्मेदारी उठाएं और फिर से भारत को महान राष्ट्र बनाए। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी बने। ■

संगठनात्मक गतिविधियां : विशाल रैली, मोरान, डिब्रूगढ़ (असम)

लोगों के जीवन में आनंद लाना है तो असम में सर्वानंद लाना होगा : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्राम्य कीड़ा प्रकल्प स्टेडियम, मोरान, डिब्रूगढ़ (असम) में 5 फरवरी 2016 को एक विशाल रैली को संबोधित किया और असम की जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में राज्य के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने रैली को संबोधित करने से पहले नुमालीगढ़ रिफायनरी में मोम संयंत्र को देश को समर्पित किया और साथ ही डिब्रूगढ़ में 10,000 करोड़ रुपए की लागत से बनी गैस क्रैकर परियोजना का भी उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने असम की पहचान चाय बगानों के कर्मियों से भी मुलाकात की।

अपने संबोधन के शुरुआत में ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने असम की अब तक की राज्य सरकारों पर दुनिया भर में असम की चाय को पहुंचाने वाले चाय बगानों के कामगारों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असम की चाय और चाय बगानों में काम करने वाले मजदूरों की मेहनत से ही दुनिया में असम की पहचान है लेकिन यहां के मजदूरों की सुध किसी ने भी नहीं ली, न ही उनके जीवन-स्तर में सुधार लाया जा सका और न ही उन्हें जरूरी बुनियादी सुविधाएं ही मुहैय्या कराई जा सकी है। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में बनती है तो चाय बगानों में काम करने वाले मजदूरों की हर समस्या का समाधान किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि असम में एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो गरीबों के लिए जिए, मजदूरों की जरूरतों को पूरी कर सके और सामान्य मानवीय जीवन में बदलाव ला सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने असम की जनता से अपील करते हुए कहा, ''आपने सभी सरकारें देखी लेकिन असम के लोगों से किये गए किसी भी वादे को अब तक पूरा नहीं किया गया, एक मौका श्री सर्वानंद सोनोवाल के नेतृत्व में भाजपा को दें, हम सभी वादों को पूरा कर दिखायेंगे और प्रदेश को देश का सर्वोत्तम राज्य बनायेंगे।'' उन्होंने कहा कि यदि असम के लोगों के जीवन में आनंद लाना है तो असम में सर्वानंद लाना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि राज्य सरकारें तो केंद्र से राशि ले लेती हैं लेकिन बाहर आकर केंद्र को ही कोसने में लग जाती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और राज्य सरकारों को कंधे-से-कंधा मिलाकर आम जनता के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि लोगों की भलाई में राजनीति आड़े नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र की

भाजपा सरकार पूरी ईमानदारी से और जिम्मेदारी के साथ जनता की भलाई के लिए दिन-रात काम कर रही है। उन्होंने कहा कि असम के लोगों की सुरक्षा, उनका विकास एवं उनके भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से परियोजनाओं को लागू करना हमारी प्राथमिकता है और हम असम को विकास की एक नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनते ही हमने असंगठित गरीब मजदूरों की बैंकों में बेकार पड़ी लगभग 27000 करोड़ रुपये की राशि को गरीबों को पुन: लौटाने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमने उनके लिए अलग से यूनिक आईडी देने का काम किया ताकि गरीब मजदूरों का एक भी पैसा बेकार नहीं जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त हमने हर मजदूरों के बोनस को सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीबों की सरकार है।

कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिसे जनता ने नकार दिया, जो 400 सीटों से सीधे 40 पर पहुंच गए, वह मोदी को काम ही नहीं करने देना चाहते, दिन-रात इसी षड्यंत्र में लगे रहते हैं कि गरीबों की भलाई का कोई काम ही संसद में ना हो सके।

उन्होंने अन्य विपक्षी दलों की सराहना करते हुए कहा कि मोदी का विरोध करने के बाावजूद, भाजपा की धुर-विरोधी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस छोड़कर तमाम विपक्षी पार्टियां संसद में काम चाहती हैं लेकिन अहंकारवादी विचारधारा वाला परिवार एक इस बात पर अड़ा हुआ है कि हम सरकार को काम नहीं करने देंगे, वह गरीबों के हितों में निर्णय करने देने को तैयार ही नहीं है। उन्होंने कहा कि उस परिवार को एक ही चीज का गुस्सा है कि आखिर हमें पिछले लोकसभा चुनावों में हराया क्यों? श्री मोदी ने कहा कि हमने गरीबों की भलाई के लिए जल परिवहन जैसी कई योजनाएं व कानून बनाई हैं, लेकिन लोकसभा में तो वह पास हो जाता है पर राज्यसभा को बाधित कर वह अहंकारी परिवार इसे पास ही नहीं होने देती।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि किसी भी सरकार ने आजादी के बाद गरीबों की भलाई के काम में अड़ंगे नहीं लगाए जैसा कांग्रेस कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नकारात्मक राजनीति की सोच वाले लोग अपने अहंकार के चलते गरीबों के विकास को भी दांव पर लगाने से नहीं चूकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी राजनीति से किसी का भी भला नहीं होने वाला।

किसानों की भलाई के लिए केंद्र सरकार द्वारा किये गए विशेष प्रयासों पर विशेष रूप से बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने संकट के समय किसानों के हितों की सुरक्षा और सहायता के लिए कई लोक-कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान पर मिलने वाले मुआवजे में तीन गुनी वृद्धि की, हमने मुआवजे के सारे नियम और पैमाने बदले ताकि किसानों के हितों की सुरक्षा हो सके।

उन्होंने कहा कि हमने 'सुरक्षित फसल, समृद्ध किसान' की अवधारणा को स्थापित करने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री फसल बीमा' को लागू करने का काम किया, ताकि किसानों को न्यूनतम प्रीमियम पर पूरी बीमा राशि का भुगतान हो सके। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इस बीमा योजना का पूरा लाभ उठायें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि नौजवानों को रोजगार मिले, उनके सुनहरे भविष्य के लिए माहौल बने, ऐसी योजनाओं पर भाजपा सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि माहौल बदल रहा है अब विदेशों से लोग भारी मात्रा में भारत में निवेश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें केंद्र की भाजपा सरकार और देश के नौजवानों के हुनर पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि असम के नौजवानों को राज्य में ही विकास और रोजगार के अवसर मिले, इसके प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम असम सहित पूरे पूर्वोत्तर भारत में सैंकड़ों और रेल नेटवर्क का जाल बिछा रहे हैं ताकि पूर्वोत्तर भारत और शेष भारत के बीच व्यापार और सांस्कृतिक विरासत का आदान - प्रदान हो सके। उन्होंने कहा कि हम एक-के-बाद-एक निर्णय ले रहे हैं जिससे कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो सके एवं राज्य के किसानों, नौजवानों, महिलाओं और चाय बगानों में काम कर रहे श्रमिकों को सभी जरूरी बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि आप विधानसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाइये और हम सभी बुनियादी सुविधाओं को राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे और असम की हर समस्याओं का निदान करेंगें, यह हमारा संकल्प है। ■

संगठनात्मक गतिविधियां : हावड़ा (पश्चिम बंगाल) रैली

ममता दीदी परिवर्तन का संकल्प लेकर आई पर पश्चिम बंगाल को पतन की ओर ले गई : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने हावड़ा में 25 जनवरी 2016 को आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 देश के लिए बड़ा महत्वपूर्ण वर्ष रहा। 2014 में देश में परिवर्तन हुआ और 30 साल बाद, पहली बार किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत दिलाने का काम इस देश की जनता ने किया जिसकी वजह से श्री नरेंद्र मोदी आज भाजपा सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। इसमें बंगाल की जनता का भी बड़ा योगदान है। हालांकि सीटें तो हमें यहां से सिर्फ दो ही मिलीं लेकिन आशीर्वाद के रूप में 17 फीसदी बांग्लावासियों ने भाजपा को वोट दिया जिसके फलस्वरूप आज हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब हुए। जब हम 2014 के चुनाव में वोट मांगने देश की जनता के पास गए थे तो हमने कहा था कि हमारी सरकार आएगी तो देश में परिवर्तन करके दिखाएंगे। देश की जनता ने हमारे नेतृत्व पर श्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा करके परिवर्तन कर दिखाया और वह सरकार देश में परिवर्तन कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अर्थतंत्र की दिशा को एक मजबूत नेतृत्व प्रदान किया है जिससे विकास दर बढ़ी है। किसानों, मजदूरों और युवाओं के लिए कई योजनाएं भारत सरकार लेकर आई है। जनधन योजना के माध्यम से गरीबों के घर में आजादी का फायदा पहुंचाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। देशभर के किसानों के लिए मिट्टी हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से देश के किसानों को सुरक्षा-चक्र देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई ने किया। इन योजनाओं के माध्यम से देशभर में परिवर्तन की लहर लाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

परिवर्तन के नाम पर तो प. बंगाल में भी सरकार बनी लेकिन क्या है आज बंगाल की स्थिति? जिस बंगाल ने देश को 'जन-गण मन' और 'वंदे मातरम' दिया, जिस बंगाल के अंदर स्वातंत्र्य विद्रोह की शुरूआत हुई उस बंगाल की आज क्या स्थिति बन गई है? विद्रोह तो आज भी बंगाल में हो रहे हैं लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंकी बम धमाके करके पूरे बंगाल को डराने का प्रयास हो रहा है। जिस बंगाल से उद्योगों की शुरूआत हुई थी, जो बंगाल एक समय आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था आज उस बंगाल के सारे उद्योग बंद हो गए हैं। सिर्फ एक उद्योग चालू रह गया है चिट फंड के जरिए गरीबों को छलने का उद्योग। चाहे कृषि विकास दर की बात हो, औद्योगिक विकास दर अथवा रोजगार की बात, हर मोर्चे पर ममता सरकार विफल रही है। ममता सरकार ने परिवर्तन की बजाए प. बंगाल को पतन की दिशा में ले जाने का कार्य किया है। राज्य की 17 लाख परिवार जानना चाहती है कि शारदा चिट फंड और रोज वैली चिट फंड के पैसे कहां गए? ममता दीदी को पूरी दुनिया

प. बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर जानती हैं लेकिन चिट फंड के दोषी ममता जी को पेंटर के रूप में जानती हैं जिन्होंने इनकी पेंटिंग्स करोड़ों रूपए में खरीदी। ममता जी समझती हैं कि बंगाल की जनता उनकी कला पर गौरव करती है लेकिन बंगाल की जनता भलीभांति जानती है कि दुनिया की सबसे महंगी पेंटिंग इसलिए खरीदी गई क्योंकि चिटफंड के दोषियों से टीएमसी की मिलीभगत है। हाल फिलहाल बंगाल में जितने भी बम धमाके हुए, देश-विरोधी ताकतें इन बम धमाकों से जुड़े हैं और टीएमसी के कई कार्यकर्ता शक के दायरे में हैं। यह संयोग ही है कि हर बार, जब भी बम धमाके होते हैं, जो बम बनाते-बनाते, छिपाते-छिपाते मरते हैं, वो टीएमसी से ही आखिर क्यों जुड़े होते हैं?

वोट बैंक की राजनीति के कारण ममता सरकार ने बंगाल को देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बनाकर रख दिया है। वर्तमान में, प. बंगाल जाली नोट और अवैध हथियार लाने का गेटवे बन चुका है, क्योंकि ममता सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं। ये जाली नोट बंगाल से देश के अन्य हिस्सों में जाते हैं और देश के अर्थतंत्र को निर्बल बनाने का काम कर रहे हैं। बांगलादेश से आने वाले घुसपैठियों को भी हरी झंडी देने का काम टीएमसी सरकार ने किया है।

मालदा में इतनी बड़ी घटना हुई लेकिन ममता जी कहती हैं कि यह बीएसएफ के जवानों से उनके साथ झगड़े का मामला है लेकिन वास्तविकता यह है कि राज्य पुलिस सुरक्षा देने में विफल रही जिस वजह से थाने जलाने के काम को अंजाम दिया गया। वोट बैंक की राजनीति के कारण राज्य पुलिस का मनोबल नीचे गिर चुका है और इस वजह से राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लचर हो गई है। बंगाल की जनता जानना चाहती है कि क्या ममता जी प. बंगाल की मुख्यमंत्री हैं या इन हुड़दंग करने वालों की। यदि प. बंगाल में एक बार भाजपा की सरकार बनती है तो मजाल नहीं कि बांगलादेश से घुसपैठी बंगाल में घुसपैठ कर सके। हम वोट बैंक की राजनीति करने के लिए नहीं बल्कि देशभक्ति की राजनीति करने के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। देश के हितों के साथ जो खिलवाड़ करेगा भाजपा उसे कोई सुरक्षा नहीं दे सकती। बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थियों के लिए भी भाजपा सरकार ने 2015 में, पासपोर्ट अधिनियम में संशोधन किया। बांगलादेश से जो धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर यहां आए हैं उन्हें भी भाजपा आश्वस्त करने का काम किया है और बांगलादेश के साथ सीमा संबंधी हर मसलों को सुलझा करके सीमा की बाड़ेबंदी करने का रास्ता खुला छोड़ दिया है और बाड़ेबंदी के साथ ही घुसपैठ शत-प्रतिशत कम हो जाएंगे।

देश में बहुत बड़ा परिवर्तन हो रहा है। देश के कई प्रांत विकास की दृष्टि से आगे निकल गए हैं। एक समय प. बंगाल विकास की दृष्टि से देश में सबसे आगे हुआ करता था लेकिन आज यह लगातार पिछड़ता जा रहा है। इसका कारण है कि पहले कांग्रेस ने इसे बर्बाद किया, बाद में बचा-खुचा कम्युनिस्टों ने और परिवर्तन के नाम पर आई टीएमसी ने बंगाल को पतन की ओर ले जाने का काम किया। यदि बंगाल का विकास करना है तो यहां की जनता भाजपा को एक मौका दे तभी यह राज्य देश के विकास के साथ जुड़ सकता है। देश में जिस-जिस राज्य में भाजपा की सरकार

शेष पृष्ठ 22 पर

सर्बानंद सोनोवाल असम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित

भारतीय जनता पार्टी ने असम विधानसभा चुनावों के लिए केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल को पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया। 28 जनवरी को घोषणा के उपरांत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने श्री सोनोवाल को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर श्री सोनोवाल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, अध्यक्ष अमित शाह जी और पूरी पार्टी को धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए मैं पार्टी का आभारी हूं। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन से अपनी राजनीति की शुरुआत करने वाले श्री सोनोवाल 2011 में भाजपा में शामिल हुए। वे लखीमपुर सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं और केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री हैं। ■

तमिलनाडु प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष बनी रहेंगी तमिलीसाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 6 फरवरी को घोषणा की कि तमिलीसाई सुंदरराजन पार्टी की तमिलनाडु इकाई की अध्यक्ष बनी रहेंगी। श्री शाह ने घोषणा की, ''राज्य इकाई की अध्यक्ष डॉ. तमिलीसाई सुंदरराजन पद पर बनी रहेंगी।'' पेशे से चिकित्सक सुंदरराजन को 2014 में अध्यक्ष बनाया गया था। लोकसभा चुनावों के बाद राज्य के तत्कालीन अध्यक्ष पोन राधाकृष्णन को नरेन्द्र मोदी नीत मंत्रिमंडल में शामिल करने के बाद वह अध्यक्ष बनी थीं। ■

प्रधानमंत्री ने पारादीप रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 फरवरी को ओडिशा में अत्याधुनिक पारादीप रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास से संबंधित एक आधिकारिक कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की वह सराहना करते हैं। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बीजू पटनायक को स्मरण करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि पारादीप अब ''विकास द्वीप'' बन जाएगा- ओडिशा के लोगों के लिए विकास का एक द्वीप। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ मिलेगा और ईंधन के लिए लकड़ी जलाने पर निर्भर देशभर की गरीब महिलाओं को एलपीजी की उपलब्धता हासिल हो सकेगी। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुद्रा और स्टार्ट अप इंडिया जैसी सरकार की पहलों का भारत के युवा लाभ उठा रहे हैं। उद्घाटन स्थल पर पहुंचने से पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वदेशी तकनीक से बनी इंडमैक्स इकाई और मुख्य नियंत्रण कक्ष का दौरा किया। उन्होंने कहा कि संयंत्र में इंडमैक्स उत्पादन क्षमता मेक इन इंडिया पहल का एक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 फरवरी को भुवनेश्वर में, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर) राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि नवाचार प्रत्येक समाज और प्रत्येक युग के लिए समय की मांग है। इस संदर्भ में उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का उल्लेख किया जो छोटे स्तर पर शुरू हुआ था लेकिन आज पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित कर रहा है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे इसी प्रकार प्रेरणा प्राप्त करें और अपने कार्य द्वारा लोगों की सेवा करें। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि वैज्ञानिक संस्थानों में नवाचार के माहौल को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने

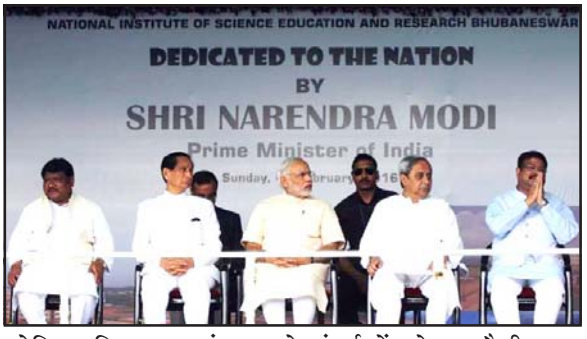

ओडिशा स्थित इस संस्थान के संदर्भ में कोयला गैसीकरण, स्वच्छ ऊर्जा, नील क्रांति जैसे क्षेत्रों में नवाचार के लिए और 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध कराने की संभावनाओं का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने एनआईएसईआर के छात्रों से अनुरोध किया कि वे इस संस्थान को, जहां केवल नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग होता है, भारत का सबसे हरित, शून्य उत्सर्जन परिसर बनाने की दिशा में काम करें। ■

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में 1.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश

दूरसंचार मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने 30 जनवरी को कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दिसंबर के दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में 1.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। करीब 15 नए मोबाइल

संयंत्रों की स्थापना हो रही है। श्री रविशंकर प्रसाद ने ग्लोबल बिजनेस समिट में कहा, इससे पहले 2014 में 6.8 करोड़ मोबाइल फोन का विनिर्माण किया था और अब 10 करोड़ विनिर्माण हो रहा है। साथ ही श्री प्रसाद ने यह भी कहा कि भारत में मोबाइल फोन उत्पादन 10 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया और प्रमुख कंपनियां देश में विनिर्माण केंद्र स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा, शीर्ष भारतीय कंपनियों के अलावा पैनासोनिक, मित्सुबिशी, निडेक, सैमसंग, बॉश, जबील, इलेक्स्ट्रॉनिक्स, कांटीनेंटल समेत सभी प्रमुख कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। भारतीय सेल्युलर संघ के संस्थापक और अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि मूल्य के लिहाज से देश में चालू वित्त वर्ष के दौरान पिछले साल मुकाबले मोबाइल फोन उत्पादन 95 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा, सरकार ने देश में मोबाइल फोन उत्पादन बढ़ाने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। नए निवेश से देश में 30,000 नए रोजगार पैदा हुए हैं और राज्य सरकारों ने ये निवेश आकर्षित करने के लिए रुचि जाहिर की है। ■

ऑस्ट्रेलिया में दौड़ेगी भारत में बनी मेट्रो

केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया मिशन का असर दिखाई देने लगा है। भारत के पोत परिवहन मंत्रालय के मुताबिक मेट्रो के 6 कोचों की पहली खेप को ऑस्ट्रेलिया निर्यात किया गया है। वडोदरा में तैयार किए गए इन कोचों को मुंबई बंदरगाह से ऑस्ट्रेलिया भेजा गया।

ऑस्ट्रेलिया भेजे गया हर कोच 15 फीट लंबा और 46 टन वजन का है। इन कोचों को लोड करने का काम मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने किया है। भारत अगले ढ़ाई वर्षों में कुल 450 कोच ऑस्ट्रेलिया को निर्यात करेगा। विश्व में मेट्रो कारों की अग्रणी कंपनी बॉम्बार्डियर के वड़ोदरा के नजदीक सावली कारखाने में यह कोच बने है। सबसे खास बात है कि पहली बार कंपनी ऑस्ट्रेलिया को पूरी मेट्रो ट्रेन का निर्यात कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड ने बॉम्बार्डियर को 6 कोच वाली कुल 75 मेट्रो ट्रेन का ऑर्डर दिया था। यह समझौता करीब 2.7 अरब डॉलर का है। ■

प्रधानमंत्री ने किया ब्रह्मपुत्र क्रेकर एंड पॉलिमर लिमिटेड और एक वैक्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 फरवरी को डिब्रूगढ़ के समीप लेपेटकाटा में एक पेट्रो रसायन परिसर, ब्रह्मपुत्र क्रेकर एंड पॉलिमर लिमिटेड को राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने नुमालीगढ़ रिफाइनरीज लिमिटेड के वैक्स प्लांट (मोम संयंत्र) को भी राष्ट्र के नाम किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दो परियोजनाओं को आज राष्ट्र को समर्पित किया जा रहा है। यह दो कारणों से महत्वपूर्ण हैं-(अ) प्राकृतिक कच्चे माल के लिए इनसे वैल्यू एडीशन (मूल्य संवर्धन) प्राप्त होगा। (ब) असम के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करने से जहां देश भर में खुशी है, वहीं असम में चौतरफा खुशी है। इन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये रोजगार सृजन सुनिश्चित करेंगी और इनसे बड़े पैमाने पर लागत की बचत होगी। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की खातिर देश का तेजी से औद्योगिक विकास आवश्यक है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपनी 'प्रगति' पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह पहल करोड़ों रुपये की ठप परियोजनाओं को प्रोत्साहन दे रही है। प्रधानमंत्री ने इस बात को दोहराया है कि भारत के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोत्तर भारत को विकसित करना आवश्यक है। साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की 'मुद्रा' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' जैसी पहलों का उद्देश्य युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर न सिर्फ बड़े शहरों में बल्कि छोटे शहरों में भी पैदा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर काम कर रही है। केंद्र और राज्य दोनों को विकास के लिए मिलकर काम करना होगा।■

सरकार की उपलब्धियां : इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू

समुद्र की सुरक्षा चुनौतीपूर्ण काम है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने समुद्र के जरिये होने वाली आतंकवादी गतिविधियों और समुद्री डकैती को समुद्री सुरक्षा के लिए दो सबसे अहम चुनौती करार दिया। दक्षिण चीन सागर विवाद की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री जी मोदी ने नौवहन की आजादी का सम्मान करने की भी वकालत की। 7 फरवरी को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देशों को नौवहन की आजादी का सम्मान करना चाहिए और इसे सुनिश्चित करना चाहिए तथा उन्हें प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री जी मोदी ने कहा कि तीसरे भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन और भारत-प्रशांत द्वीपीय सहयोग की मेजबानी करने के बाद भारत अप्रैल में पहले वैश्विक समुद्री शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत समुद्र के जरिये पैदा होने वाले खतरे का सीधे तौर पर पीड़ित रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समुद्र के जरिये पैदा होने वाले खतरे ने अब भी क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति तथा स्थिरता को खतरे में डाल रखा है। उन्होंने कहा कि सोमालियाई समुद्री लुटेरों की ओर से भारत सहित अन्य देशों के व्यापारिक पोतों को निशाना बनाए जाने की पृष्ठभूमि में समुद्री डकैती भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारा 90 फीसदी वैश्विक कारोबार समुद्रों के रास्ते ही होता है। पिछले 15 साल में यह 6 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 20 लाख करोड़ डॉलर हो चुका है। वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए समुद्र खासे अहम हैं, क्योंकि वैश्विक तेल उत्पादन का 60 फीसदी समुद्री मार्गों से जाता है। उन्होंने कहा कि समुद्रों से आर्थिक फायदे लेना काफी हद तक हमारी उन क्षमताओं पर निर्भर करता है, जिनके सहारे हम सामुद्रिक चुनौतियों से पार पा सकते हैं। समुद्र आधारित आतंकवाद की चुनौती जिसका सीधे तौर पर भारत पीड़ित रहा है, क्षेत्रीय और वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए मुश्किलें पैदा करती रही है। पायरेसी भी एक बड़ी चुनौती रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक दौर की चुनौतियों की व्यापकता और जटिलता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुद्री स्थिरता दुनिया के हर राष्ट्र के लिए जरूरी है। सभी समुद्र तटीय राष्ट्रों का यह साझा लक्ष्य और जिम्मेदारी है। इस लिहाज से दुनिया की नौसेनाओं और समुद्री एजेंसियों को मिलकर काम करने और एक एक व्यापक चक्रीय भागीदारी कायम करने की जरूरत है। इसके साथ ही जहां जरूरी है, वहां पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमाओं में संचार व्यवस्थाओं की सुरक्षा के लिए काम करने की भी जरूरत है।

श्री मोदी का मानना है कि यदि समुद्रों से हमारी अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहन मिलता है, तो हमें यह जरूर करना चाहिए:

- समुद्रों का शांति, मित्रता और विश्वास बढ़ाने व टकराव रोकने में इस्तेमाल हो
- नौवहन की स्वतंत्रता और सम्मान को सुनिश्चित करना और
- समुद्री चुनौतियों से निबटने के लिए भागीदारी करें, न कि प्रतिस्पर्धा

उन्होंने कहा कि इस फ्लीट रिव्यू में बड़ी संख्या में विदेशी नौसेनाओं की मौजूदगी से इस बात की पुष्टि होती है कि समुद्री क्षेत्रों को सुरक्षित रखना वैश्विक शांति के लिए साझा जरूरत है। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि भारत के प्राचीन संस्कृत साहित्य में समुद्रों को चतुर्दशानम रत्नानम, 14 रत्नों का भंडारगृह कहा गया है। तीन तरफ से समुद्र से घिरे भारत का समुद्र तट 7,500 किलोमीटर लंबा है। हम लंबे समय से समुद्री धरोहर के लिहाज से संपन्न रहे हैं। गुजरात का लोथल बंदरगाह दुनिया में सबसे पहले बने बंदरगाहों में से एक रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति हमें दूसरी संस्कृतियों से जोड़ती है, हमारे समुद्री व्यापार मार्गों को आकार देती है, भारत की सामरिक स्थिति को प्रभावित करती है और हमारे समुद्री महत्व को दर्शाती है।

घाटी सभ्यता के दिनों से भारत ने अफ्रीका, पश्चिम एशिया, भूमध्यसागरीय क्षेत्र, पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एशिया और सुदूर पूर्व के देशों के साथ समुद्री संबंधों के व्यापक नेटवर्क को कायम रखा है। हम खुश हैं कि इन सभी क्षेत्रों की नौसेनाओं ने इस फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लिया। ■

भाजपा के भविष्य से देश का भविष्य जुड़ गया है

– अटल बिहारी वाजपेयी

29-30 नवंबर, 1 दिसंबर 1996 को भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश भाजपा अभ्यास वर्ग में दिए गए उद्‌बोधन के संपादित अंश हम यहां सुधि पाठकों के लिए प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है उद्‌बोधन का तीसरा भाग-

पूंजीवाद की पराजय निश्चित

साम्यवाद की विपुलता और सोवियत रूस के विघटन के बाद अब अमेरिका एकमेव महाशक्ति के रूप में उभरकर सामने आया है वह एटमी हथियारों से सम्पन्न है, खुले बाजार की अर्थ-व्यवस्था का प्रतिपादक है आज भले ही उसका बोलबाला दिखाई देता हो, किन्तु कल उसका पराभव भी सुनिश्चित है इसके कई कारण हैं, किन्तु सबसे बड़ा कारण यही है कि वह जीवन को उसकी समग्रता में नहीं देखता। अमेरिका को दूसरे देशों के बाजार चाहिए। बाजारों की आवश्यकता के कारण ही पहले उपनिवेशवाद पनपा। अमेरिका की समृद्धि का आधार उद्योग-धंधे कम, अन्य कामधंधों में लगी पूजी ज्यादा है। माल को बेचने की उन्होंने गुणवत्ता-हासिल की है, नयी प्रौद्योगिकी का विकास और उससे भी अधिक खर्च करना, भले ही इसके लिये कर्ज ही क्यों न लेना पड़े, यह उनके जीवन का ढंग और ढर्रा बन रहा है। दुनिया भर को कर्ज देने वाला अमेरिका स्वय कर्ज में डूबा हुआ है। बढ़ती हुई बेरोजगारी उनके लिये सिरदर्द हैं अर्थ की धुरी पर घूमनेवाला उनका जीवन सामाजिक और आर्थिक तनावों से भरा हुआ है। मादक द्रव्यों का प्रचार बढ़ रहा है। अपराध बढ़ रहे हैं यह एक सुखी और संतुष्ट समाज का चित्र नहीं है। बेरोजगारी का भला देने मात्र से मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं होगा। आत्मविकास के लिये प्रामाणिकता से परिश्रम आवश्यक हैं, अमेरिकी सभ्यता के इस उत्थान में ही उसके विनाश के बीच निहित है जब हम मनुष्य के विकास की बात करते हैं तो वह विकास केवल भौतिक ही नहीं हो सकता, उसके साथ बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की आवश्यक है, पश्चिम इसकी चिन्ता नहीं करता।

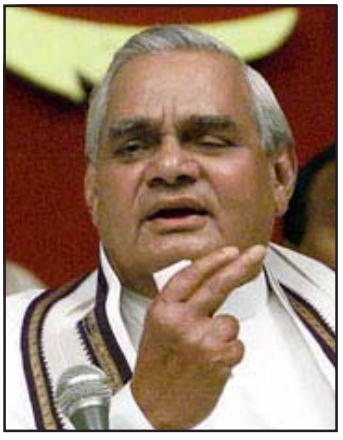

पश्चिमी सभ्यता एक नये संकट में फंस रही है। नये आर्थिक सुधारों के बाद हम भी उसी गलत दिशा में जा रहे हैं। बाजारी अर्थ-व्यवस्था के मूल में कोई गहरा जीवनदर्शन नहीं हो सकता। प्रगति के लिये प्रतियोगिता होनी चाहिए। प्रतियोगिता से प्रगति होती है। दौड़ होने पर सबसे आगे निकलने का आकर्षण होता है। तेज दौड़ने की प्रेरणा होती है, जिसमें प्रतियोगिता किस हद तक हो, इसका विचार जरूरी है। गला काटने, वाली प्रतिस्पर्धा सब का निर्माण नहीं कर सकती। साथ-साथ दौड़ने के बजाय यदि एक-दूसरे को टंगड़ी लगाकर गिराने का खेल शुरू हो जाये तो न दौड़ होगी और न प्रगति।

पश्चिमी सभ्यता एक नये संकट में फंस रही है। नये आर्थिक सुधारों के बाद हम भी उसी गलत दिशा में जा रहे हैं। बाजारी अर्थ-व्यवस्था के मूल में कोई गहरा जीवनदर्शन नहीं हो सकता। प्रगति के लिये प्रतियोगिता होनी चाहिए। प्रतियोगिता से प्रगति होती है। दौड़ होने पर सबसे आगे निकलने का आकर्षण होता है। तेज दौड़ने की प्रेरणा होती है, जिसमें प्रतियोगिता किस हद तक हो, इसका विचार जरूरी है। गला काटने, वाली प्रतिस्पर्धा सब का निर्माण नहीं कर सकती। साथ-साथ दौड़ने के बजाय यदि एक-दूसरे को टंगड़ी लगाकर गिराने का खेल शुरू हो जाये तो न दौड़ होगी और न प्रगति।

पेट ही नहीं, आत्मा भी संतुष्ट होनी चाहिए

केवल धन कमाना ही जीवन का उद्‌देश्य नहीं हो सकता। जीवन के लिये अर्थ जरूरी है, किन्तु अर्थ के सबंध में और भी बातें आवश्यक हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी कहा करते थे कि पेट भरने मात्र से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं। सचमुच में कुछ समस्याओं का जन्म पेट भरने के बाद ही होता है। हम शरीर की रचना देखें तो उसमें पेट के ऊपर

मस्तिष्क और फिर सबका संचालन करने वाली आत्मा का स्थान दिखाई देता है मनुष्य मात्र मुनाफा कमाने का साधन नहीं बन सकता। आहार, निद्रा और भय मनुष्य और पशु में समान है बुद्धि और भावना मनुष्य और पशु को अलग करती है। पेट के साथ मनुष्य के मस्तिष्क को भी भोजन चाहिये बौद्धिक दृष्टि से उसका विकसित होना जरूरी है। उसके मन में करुणा, सवेदना और संतोष होना चाहिये। भारतीय संस्कृति पुरुषार्थ चतुष्ट्य की बात करती है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के ओधार पर जीवन को चलाने का निर्देश है। यहा धर्म से अभिप्राय किसी सम्प्रदाय या उपासना पद्धति से नहीं है। जो हमें धारण करता है, वह धर्म है, जो हमें शक्ति देता है वह धर्म है जो तत्व व्यक्ति या संस्था को उसक आधारभूत रूप में बनाये रखने और उसे विकसित होने की शक्ति प्रदान करता है, वह उसका धर्म है। हमारे यहां समुत्कर्ष और निश्रेयस दोनों के समुच्चय को धर्म कहा है। इसमें भौतिक और आध्यात्मिक दोनों का समावेश है धर्म संकुचित नहीं है, सचमुच जो संकुचित है, वह धर्म हो ही नहीं सकता कठिनाई तब होती है जब धर्म का अनुवाद रिलीजन किया जाता है। धम रिलीजन से कुछ अधिक है, वह पूजा पद्धति तक सीमित नहीं है, सम्पूर्ण जीवन को प्रभावित करता है धर्म की तरह अनेक शब्द ऐसे हैं जिनका अंग्रेजी मे अनुवाद नहीं हो सकता। अंग्रेजी में अनुवाद करने पर अर्थ का अनर्थ होता है।

समृद्धि चाहिए, पर उपभोग में संयम भी

पुरुषार्थ चतुष्ट्य में अर्थ को स्थान देकर हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम अर्थ की उपेक्षा नहीं करते। मानव जीवन का लक्ष्य सुख प्राप्त करना है। सुख का साधन अर्थ है। हम व्यक्ति को सुखी और समाज को समृद्ध देखना चाहते हैं। इसके लिये भौतिक साधनों की आवश्यकता है। हमारे यहां पुरुषार्थ से पूजी कमाने पर बल दिया गया है। प्रतिवर्ष हम दीवाली पर लक्ष्मी पूजा करते हैं। वही व्यक्ति त्याग कर सकता है, जिसने कुछ अर्जित किया है। जिसके पास कुछ है वहीं दे सकता है मुझे याद है कि बचपन में हमको फूटी थाली में खाने से रोका जाता था, इसे अशुभ माना जाता था। इसके मूल में समृद्धि की कल्पना ही थी। वैसे तो हाथ में रखकर भी खा सकते हैं, पत्ते पर खाते हैं। पगत लगती है तो पत्तल पर भोजन करते हैं, लेकिन घर में फूटी थाली में खाना निषिद्ध है। समृद्ध समाज की रचना हमारा लक्ष्य है, किन्तु समृद्धि का अर्थ अनियंत्रित उपभोगवाद नहीं हो सकता। आज देश में नये आर्थिक सुधारों के नाम पर उपभोग की बाढ़ आई हुई है। आवश्यकताओं की पूर्ति होना एक बात है और अनाप-शनाप धन खर्च कर के विलास की वस्तुएं जुटाना बिल्कुल दूसरी बात है। उपभोग में संयम जरूरी है।

उपभोग के लिए ऐसी वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो अनावश्यक हैं। विदेशी कम्पनियों की नजर 90 करोड़ लोगों के बाजार पर है। बहस हो रही है कैन्ट की, फ्राइड चिकन बेचने के पार्लर खुले या नहीं' फास्ट फूड की और भी विदेशी कम्पनियां यहां पांव जमाना चाहती हैं। मैकनाल्ड की अंतर्राष्ट्रीय कम्पनी को इजाजत देने की भी चर्चा हो रही है। अगर खानपान की विदेशी कम्पनियां यहां न आयें तो कोई आसमान नहीं टूट जायेगा। जनता के उपभोग में आने वाला माल यहा पैदा करें, यह तो समझ में आ सकता है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि वहीं का माल अधिक महंगा और आकर्षक बना कर बेचें और यहां जो बना है, इन धंधों में लगा है, उनको प्रतियोगिता से बाहर कर दें।

उपभोग के लिए ऐसी वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो अनावश्यक हैं। विदेशी कम्पनियों की नजर 90 करोड़ लोगों के बाजार पर है। बहस हो रही है कैन्ट की, फ्राइड चिकन बेचने के पार्लर खुले या नहीं' फास्ट फूड की और भी विदेशी कम्पनियां यहां पांव जमाना चाहती हैं। मैकनाल्ड की अंतर्राष्ट्रीय कम्पनी को इजाजत देने की भी चर्चा हो रही है। अगर खानपान की विदेशी कम्पनियां यहां न आयें तो कोई आसमान नहीं टूट जायेगा। जनता के उपभोग में आने वाला माल यहां पैदा करें, यह तो समझ में आ सकता है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि वहीं का माल अधिक महंगा और आकर्षक बना कर बेचें और यहां जो बना है, इन धंधों में लगा है, उनको प्रतियोगिता से बाहर कर दें। नया उत्पादन करने की बजाय और हमें नई टैक्नालॉजी देने के नाम पर कुछ विदेशी कपनियां स्वदेशी कम्पनियों को हजम करने में लगी हैं। पूंजी के बल पर वे भारतीय कंपनियों को निगल रही है। इसे रोकना होगा।

क्रमशः...

सम्पूर्ण देश उनका घर था

-अटल बिहारी वाजपेयी

पंडितजी का जीवन एक समर्पित जीवन था। शरीर का कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण उन्होंने राष्ट्रदेव के चरणों में चढ़ा दिया था। संपूर्ण देश उनका घर था, सारा समाज उनका परिवार। उनकी आंखों में एक ही सपना था, उनके जीवन का एक ही व्रत था।

राजनीति उनके लिए साधन थी, साध्य नहीं। यह मार्ग था, मंजिल नहीं। वे राजनीति का आध्यात्मीकरण चाहते थे। वे भारत के उज्ज्वल अतीत से प्रेरणा लेते थे तथा उज्ज्वलतर भविष्य का निर्माण करना चाहते थे। उनकी आस्थाएं सदियों पुराने अक्षय राष्ट्रजीवन की जड़ों से रस ग्रहण करती थीं, किंतु वे रूढ़िवादी नहीं थे। भविष्य के निर्माण के लिए वे भारत को समृद्धशाली आधुनिक राष्ट्र बनाने की कल्पना लेकर चले थे।

राजनीति उनके लिए साधन थी, साध्य नहीं। यह मार्ग था, मंजिल नहीं। वे राजनीति का आध्यात्मीकरण चाहते थे। वे भारत के उज्ज्वल अतीत से प्रेरणा लेते थे तथा उज्ज्वलतर भविष्य का निर्माण करना चाहते थे। उनकी आस्थाएं सदियों पुराने अक्षय राष्ट्रजीवन की जड़ों से रस ग्रहण करती थीं, किंतु वे रूढ़िवादी नहीं थे। भविष्य के निर्माण के लिए वे भारत को समृद्धशाली आधुनिक राष्ट्र बनाने की कल्पना लेकर चले थे।

वे महान चिंतक थे। चिंतन के क्षेत्र में बंधे-बंधाये रास्ते से चलने के हामी नहीं थे। इसलिए उन्होंने भारतीय जनसंघ का ऐसा स्वरूप विकसित किया जो अतीत की गौरव गरिमा को लेकर चलता है और जो आने वाले कल की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी सन्नद्ध है।

उन्हें कभी किसी पद ने मोहित नहीं किया। वे संसद के सदस्य नहीं थे लेकिन संसद सदस्यों के निर्माता थे। उन्होंने कभी पद नहीं चाहा। बड़ी मुश्किल से उन्हें अध्यक्ष पद का भार संभालने के लिए तैयार किया था। उन्होंने प्रेरणा दी कि चलो विंध्याचल के पार कन्याकुमारी पर, जहां भारत माता के चरणों को सिंधु धो रहा है, भारत की एकता का जागरण मंत्र फूकें। उनके नेतृत्व में हमने आसेतु हिमाचल भारत की एकात्मता को गुंजाने का संकल्प किया। कालीकट अधिवेशन हुआ। हम वहां गए। उनकी अध्यक्षता में अधिवेशन सफल हुआ। लोगों ने कहा कि जनसंघ ने कार्यसिद्धि का ऐतिहासिक दृश्य उपस्थित किया। जनता की आंखें आशा और विश्वास के साथ उन पर जा लगी थीं। देश और विदेश के लोगों ने कहा कि कालीकट में जनसंघ ने नया रूप धारण किया है। परंतु जनसंघ ने नया रूप नहीं धारण किया-देखने वालों की आखों में बदल आया था। उन्हीं आखों में कुछ आंखें ऐसी थीं जिनमें पाप था, जलन थी, जिनमें हिंसा की चिंगारी सुलग रही थी। उन आखों को यह दृश्य चुभा और आज पंडित दीनदयालजी को हमसे विलग कर दिया। किन परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हुई, कोई विश्वासपूर्वक नहीं कह सकता। जिसके इशारे पर लाखों लोग जान देने के लिए तैयार थे, सन्नद्ध थे, उसे रात के अंधेरे में अपने अनुयायियों से दूर, देशवासियों से पृथक् मौत की गोद में, काल के गाल में ढकेल दिया। ■

('अजातशत्रु' से साभार)

विशाल रैली कोट्टायम, केरल

कांग्रेस ने केरल में भ्रष्टाचार और सरकार को पर्यायवाची बना दिया है : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कोट्टायम, केरल के नेहरू स्टेडियम में 4 फरवरी 2016 को एक विशाल जन समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने केरल की जनता से राज्य की भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ कर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एक मजबूत और विकसित केरल के नवनिर्माण का आह्वान किया।

भाजपा अध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगले दो महीनों में ही केरल में विधान सभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन इस बार केरल की जनता ने अगले पांच वर्षों के लिए केरल में हिंसा और भ्रष्टाचार के खिलाफ परिवर्तन कर विकास और समभाव के रास्ते पर चलने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि केरल बहुत सारी संभावनाओं से भरा प्रदेश है लेकिन कम्युनिस्ट और कांग्रेस के नेतृत्व में एलडीएफ और यूडीएफ की सरकारों ने इसे तबाह करके रख दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट ने वोट बैंक की राजनीति के चलते केरल के लोगों के साथ बहुत बड़ा भेदभाव और अन्याय करने का काम किया है। उन्होंने कहा, ''मैं विश्वास दिलाता हूं कि यदि केरल में भाजपा की सरकार आती है तो किसी के साथ भी भेदभाव या अन्याय नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि यदि केरल की सारी समस्याओं का निदान कोई कर सकती है, केरल को कोई अगर विकास के पथ पर सतत गतिशील और भ्रष्टाचार से मुक्त कर सकती है तो वह केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही कर सकती है।

श्री शाह ने कहा कि केरल में यदि वामपंथियों की सरकार आती है तो उसके साथ हिंसा आती है और यदि कांग्रेस की सरकार आती है तो हिंसा और भ्रष्टाचार दोनों उसके साथ आते हैं, लेकिन यदि केरल में भाजपा की सरकार बनती है तो प्रदेश में न तो हिंसा रहेगी और न ही भ्रष्टाचार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-नीत यूपीए की सरकार में भी कम्युनिस्ट कांग्रेस की सहयोगी रही है। श्री शाह ने कहा कि यूपीए के कुशासन से देश की जनता भली-भांति परिचित है। उन्होंने राज्य की जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि केरल को कांग्रेस और कम्युनिस्ट के कुशासन से बचाना है तो राज्य में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनानी पड़ेगी।

केरल में यदि भाजपा की सरकार बनती है तो राज्य में किसी के साथ भी भेदभाव और अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस और कम्युनिस्ट की तरह पक्षपात की राजनीति में यकीन नहीं रखती है। भाजपा राज्य के सर्वांगीण और सामान विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। श्री शाह ने कहा कि केरल में तो कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक दूसरे के खिलाफ केरल में तो कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक दूसरे के खिलाफ लड़ती हुई प्रतीत होती है लेकिन पश्चिम बंगाल में दोनों साथ हैं,

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने केरल में भ्रष्टाचार और सरकार दोनों को एक-दूसरे का पर्याय बना दिया है। उन्होंने कहा कि केरल की कांग्रेस सरकार ने इतने घोटाले किये हैं कि उनका वर्णन भी असंभव है चाहे वह त्रावणकोर टिटेनियम घोटाला हो या नर्सिंग चीटिंग घोटाला हो या पीडब्ल्यूडी घोटाला हो या शिक्षा विभाग का घोटाला है या फिर सौर पैनल घोटाला। उन्होंने कहा कि केरल की जनता कांग्रेस के भ्रष्टाचार से वाकिफ है और वह कांग्रेस को आनेवाले विधान सभा में माकूल

जवाब देगी।

श्री शाह ने कहा कि कम्युनिस्ट विश्व में खत्म हो चुकी है और देश भर से कांग्रेस का खात्मा हो चुका है। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट और कांग्रेस की विचारधारा को जनता ने नकार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट न तो देश का और न ही केरल का विकास कर सकती है। श्री शाह ने केरल से युवाओं के पलायन, रबड़ उद्योग की समस्या और राज्य में बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर बोलते हुए कहा कि आजादी के 68 साल बाद भी केरल आज समस्याओं से निजात पाने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि केरल को सभी समस्याओं से मुक्ति दिलानी है तो राज्य में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी पड़ेगी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था और आज भी राहुल गांधी 'गरीबी हटाओ' का ही राग अलाप रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन पीढ़ी से गरीबी को देश से हटाने में नाकाम रही, क्योंकि देश से गरीबी को खत्म करना कांग्रेस के नीयत में ही नहीं है। उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस आज तक नहीं कर सकी, भाजपा की मोदी सरकार ने मात्र 1.5 वर्षो में ही ऐसा करके दिखा दिया। श्री शाह ने कहा कि यह सरकार गरीबों और किसानों की सरकार है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि श्री मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा-नीत केंद्र सरकार ने पिछले 20 महीनों से गरीबों, शोषितों और वंचितों के उत्थान तथा सामाजिक कल्याण के लिए अनवरत कार्य किया है और अनेकों परिवर्तनात्मक योजनाओं की नींव रखी है जिसके आशातीत परिणाम धरातल पर दिखने शुरू हो गए हैं, चाहे वह प्रधानमंत्री जन-धन योजना हो, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना हो, 12 रुपये में जीवन सुरक्षा बीमा हो, प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना हो, मेक इन इंडिया हो, स्टार्ट-अप इंडिया हो या फिर स्टैंड-अप इंडिया हो। श्री शाह ने कहा कि विकास के जरिये गरीबों की सेवा और उनके जीवन-स्तर में सुधार लाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

किसानों की भलाई के लिए मोदी सरकार ने कई अभिनव और नूतन कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि देश में जहां-जहां भाजपा सरकार हैं, वहां कृषि विकास दर 10 प्रतिशत से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने किसानों की भलाई के लिए पहले तो फसलों के क्षति के मामले में मिलने वाले मुआवजे के पैमानों को बदला, मुआवजे की राशि में 50 प्रतिशत की वृद्धि की और अब 'सुरक्षित फसल, समृद्ध किसान' की दिशा में ठोस पहल करते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू किया ताकि देश के किसान हर हाल में समृद्ध और खुशहाल रहें।

श्री शाह ने आगे बोलते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व भर में भारत और भारतीयों का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है, उन्होंने कहा कि आज भारतीय प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरा विश्व लालायित रहता है। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि एक विकसित और मजबूत केरल के लिए राज्य में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए कटिबद्ध हो जाएं ताकि राज्य में किसी के साथ भेदभाव और अन्याय न हो सके। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि हिंसा और भ्रष्टाचार मुक्त केरल के नवनिर्माण के लिए भाजपा को बहुमत देकर राज्य में सेवा का एक मौका दें।■

केरल में भाजपा सरकार बनाने को कमर कसें कार्यकर्ता : अमित शाह

केरल में वर्तमान राजनीतिक माहौल को भाजपा के सत्ता में आने के लिए बेहद उपयुक्त बताते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 4 फरवरी को पार्टी कार्यकर्ताओं से अल्पसंख्यक वर्गो सहित विभिन्न वर्गो का समर्थन जुटाने के लिए विशेष प्रयास करने का अनुरोध किया ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित की जा सके। अलुवा के पास भाजपा की केरल कोर समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य पार्टी अध्यक्ष कुम्मणम राजशेखरन के नेतृत्व में निकाली गई 'विमोचन यात्रा' के लिए लोगों से ''सकारात्मक'' प्रतिक्रिया मिली है। वर्तमान राजनीतिक माहौल भाजपा के लिए ''बहुत अनुकूल'' है। उन्होंने कहा कि हाल में हुए निकाय चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और यात्रा को लेकर लोगों की ''सकारात्मक प्रतिक्रिया'' मिली है। वार्ड स्तर से शीर्ष स्तर तक पहुंचने के लिए कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, ''अब लोगों में आत्मविश्वास पैदा करना होगा ताकि पार्टी सत्ता में आ सके।'' ■

फ्रांस के राष्ट्रपति का भारत दौरा

भारत और फ्रांस के बीच 16 समझौतों पर हस्ताक्षर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वैश्विक परिदृश्य में फ्रांस का प्रभाव पहले से ही कायम है, लेकिन भारत की धमक भी तेजी से बढ़ रही है। सामरिक और आर्थिक समेत अनेक अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों की मैत्री एक नये मुकाम को हासिल कर सकती है। दरअसल, फ्रांस उन देशों में से एक है, जिसने कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी भारत का साथ दिया है, फिर चाहे वह कूटनीति के 'ग्रेट गेम' का क्षेत्र हो या सामरिक अथवा प्रौद्योगिकी का। इसका सीधा सा अर्थ है कि पेरिस की 'स्ट्रैटेजिक कैलकुलस' में नयी दिल्ली विशेष महत्व रखती है और नयी दिल्ली की 'स्ट्रैटेजिक कैलकुलस' में पेरिस संभावनाओं से संपन्न एक अहम साझीदार।

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वा ओलांद के 3 दिवसीय भारत आगमन के दौरान 24 जनवरी को भारत व फ्रांस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के 16 समझौते किये गये, जिनमें महिंद्रा समूह तथा यूरोपीय विमान कंपनी एयरबस समूह के बीच भारत में हेलीकॉप्टर विनिर्माण के साझा उद्यम संबंधी समझौता तथा स्मार्टसिटी से जुड़े तीन समझौते शामिल हैं। एयरबस समूह व महिंद्रा के बीच समझौता 'मेक इन इंडिया' पहल का एक हिस्सा है। गौरतलब है कि श्री ओलांद की यह भारत यात्रा 24-26 जनवरी की थी।

स्मार्टसिटी पहल के तहत हुए तीन समझौतों में फ्रांस की विकास एजेंसी एएफडी चंडीगढ़, नागपुर व पुडुचेरी के विकास के लिए मदद करेगी। भारत के एसआइटीएसी ग्रुप और फ्रांस के इडीएफ एनर्जी नावेलेस कंपनी के बीच भी संयुक्त उद्यम संबंधी समझौता किया गया है। फ्रांसीसी कंपनी गुजरात में स्थानीय कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में आधी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह करार 15.5 करोड़ यूरो का है और इसके तहत 142 मेगावॉट सोलर एनर्जी का उत्पादन किया जायेगा।

इस दौरान फ्रांस की परमाणु व वैकल्पिक ऊर्जा एजेंसी सीइए और क्रॉप्टन ग्रीव्ज (सीजी) के बीच भी आशय पत्र पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत दोनों कंपनियां भारत में हवाई अड्डों पर सोलर एनर्जी क्षेत्र में सहयोग करेंगी। इसके अलावा फ्रांस की नौ कंपनियों ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लि. के साथ नयी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौते किये हैं, जिनमें एलस्टॉम ट्रांसपोर्ट, सीएएन, ड्यूसाल्ट, इडीएफ एनर्जी नोवेलस, एजिस, ल्यूमीप्लान, पोमागल्सकी, श्नाइडर इलेक्ट्रिक व थेलेस शामिल हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन का संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 जनवरी को चंडीगढ़ में भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फ्रांस की सीओपी- 21 वार्ता में समन्वय के लिए फ्रांस की सराहना की। उन्होंने समझौते की घोषणा से तुरंत पहले फ्रांस के राष्ट्रपति श्री ओलांद द्वारा फोन कर प्रस्तावित समझौते की रूपरेखा साझा करने का स्मरण किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सीओपी -21 बैठक से कुछ दिन पूर्व पेरिस आंतकी हमले का स्मरण भी किया और कहा कि फ्रांस ने अपने मूल सिद्धातों से समझौता किए बिना आंतकवाद से लड़ने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत आंतकवाद के साथ लड़ाई में फ्रांस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत

और फ्रांस के बीच कई समानताओं के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के लिए बने हैं। रक्षा क्षेत्र के संबंध में उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिभा और फ्रांस की निर्माण क्षमता मिलकर विश्व को ओर अधिक सुरक्षित बना सकते हैं। उन्होंने इस दौरान साइबर-सुरक्षा का जिक्र भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि फ्रांस की कंपनियों ने भारत में अच्छा निवेश किया है। विवादास्पद पिछली तिथि से कराधान अब इतिहास की बात है और यह अध्याय फिर कभी नहीं खुलेगा। उन्होंने भारत, अमेरिका और फ्रांस के सहयोग से चल रहे मिशन नवाचार की शुरूआत और अंतर्राष्ट्रीय सौर मैत्री का स्मरण भी किया।

चंडीगढ़ स्थित संग्रहालय का दौरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वा ओलांद ने भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपने कार्यक्रमों के एक हिस्से के रूप में चंडीगढ़ में राजकीय संग्रहालय और आर्ट गैलरी का संयुक्त रूप से दौरा किया। दोनों नेताओं ने हिमालय की तलहटी से पुरातात्विक निष्कर्षों के प्रदर्शनों का अवलोकन किया जो संभवत: 26 लाख वर्ष पूर्व मानवीय गतिविधियों को दर्शाते हैं और इन्हें मानव अस्तित्व की सबसे पुराने ज्ञात अवशेष बनाते हैं। यह महत्वपूर्ण खोज भारत की पुरातत्व और मानव विज्ञान अनुसंधान सोसायटी और फ्रांस के राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के मध्य हुए सहयोग अनुबंध के तत्वाधान के अधीन फ्रांस के राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के प्रागैतिहास विभाग और चंडीगढ़ की पुरातात्विक एवं मानव विज्ञान अनुसंधान सोसायटी के दरम्यान सहयोग और सात वर्ष के व्यापक अनुसंधान का परिणाम है।

इस प्राकृतिक खोज में चंडीगढ़ के पास मसोल क्षेत्र के 50 एकड़ में फैले भू-भाग में अनेक स्थानों से एकत्र किए गए 200 क्वार्टजाइट औजारों सहित लगभग 1500 जीवाश्म वस्तुएं शामिल हैं। इस पुरातात्विक खोज से संबंधित अनुसंधान कार्य पेलेवॉल समीक्षा में लेखों के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ओलांद ने इस खोज के लिए भारत-फ्रांस की टीम को उनके संयुक्त अनुसंधान कार्य के लिए बधाई दी।

उन्होंने इस सफलता को अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत की पुनर्खोज, संरक्षण और सवंर्द्धन में भारत और फ्रांस के दरम्यान दीर्घकालीन सांस्कृतिक संबंधों और स्थायी सहयोग के लिए सफल द्विपक्षीय सहयोग का जीता जागता उदाहरण बताया। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि इस तरह की खोजों से भविष्य में संयुक्त प्रयासों को और अधिक गति मिलेगी।■

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अंतरिम सचिवालय का शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन 121 देशों का ऐसा पहला अंतर्राष्ट्रीय और अंतर सरकारी संगठन होगा जिसका मुख्यालय भारत में होगा और जिसका रणनीतिक भागीदार संयुक्त राष्ट्र होगा।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वा ओलांद ने 25 जनवरी को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन मुख्यालय की आधारशिला रखी और राष्ट्रीय सौर उर्जा संस्थान, ग्वालपहाड़ी, गुड़गांव में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अंतरिम सचिवालय का शुभारंभ किया। भारत सरकार ने राष्ट्रीय सौर उर्जा संस्थान कैंपस के अंदर अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन मुख्यालय के निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की है और अगले पांच सालों में मुलाकात के खर्चों के लिए 175 करोड़ रुपये का सहयोग दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन प्रधानमंत्री के स्वच्छ और सस्ती उर्जा प्रदान करने की दृष्टि का हिस्सा है जो सबकी पहुंच में हो और जो सतत विश्व का निर्माण करे। यह विकास की गति को बढ़ाने और सौर उर्जा के विस्तार

की एक नयी शुरूआत होगी ताकि वर्तमान और भविष्य की वैश्विक उर्जा पहुंच और उर्जा सुरक्षा को हासिल किया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन ऐसा पहला अंतर्राष्ट्रीय और अंतर सरकारी संगठन होगा जिसका मुख्यालय भारत में होगा। अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन सौर ऊर्जा के प्रचार के प्रति सन्नध होगा ताकि सभी 121 सदस्य देशों में सौर उर्जा को एक मूल्यवान, भरोसेमंद और स्वच्छ एवं हरी उर्जा के रूप में स्थापित किया जा सके। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को बनाने में लगातार सहायता और सहयोग के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारत की सराहना करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वा ओलांद ने कहा कि पेरिस सम्मेलन में, भारत ने यह दिखाया कि यह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए ऊर्जा संक्रमण हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा कि भारत की प्रतिबद्धता को धन्यवाद, जिसकी वजह से हम एक महात्वाकांक्षी, ईमानदार और गतिशील सहमति पेरिस में हासिल कर सके जो कि पूरी मानवता के लिए बाध्यकारी है। उन्होंने कहा कि पेरिस समझौते को लागू कराने में भारत की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रहेगी। श्री ओलांद ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि फ्रांस भारत के साथ पेरिस समझौते के बाद की दुनिया का निर्माण करना चाहता है और अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन इस के लिए मार्ग प्रशस्त कह रहा है। इस संगठन को फ्रांस का पूरा समर्थन हासिल है। उन्होने घोषणा की कि फ्रांस विकास एजेंसी अगले पांच सालों में सौर उर्जा के विकास के लिए परियोजना के शुरूआती वित्तपोषण के लिए 300 मिलियन आवंटित करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन पर पेरिस घोषणा प्रतिस्पर्धी सौर पीढ़ी, वित्तीय साधनों की तत्काल तैनाती के लिए वित्त और प्रौद्योगिकी की लागत को कम करने के लिए नए और ठोस प्रयास शुरू करने के लिए सामूहिक महत्वाकांक्षा का हिस्सा है जो बताता है सस्ती सौर ऊर्जा की भारी तैनाती के लिए 2030 तक 1000 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक धन निवेश की जरूरत है ताकि भविष्य सौर पीढ़ी, भंडारण और देशों की व्यक्तिगत जरूरतों के लिए अच्छी प्रौद्योगिकियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्युत, कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन को वास्तविक से एक विधि सम्मत संस्था में बदलाव के लिए एक अंतरिम प्रशासनिक सेल को कार्यशील बना दिया गया है। इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन के लिए एक समग्र निधि के लिए सहयोग करने के साथ ही भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन के सदस्य देशों के लिए राष्ट्रीय सौर उर्जा संस्थान में प्रशिक्षण सहयोग की पेशकश भी की है। श्री गोयल ने यह भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन का अंतरिम सचिवालय राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के सूर्य भवन में कार्यशील हो गया है। उन्होने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन का मुख्यालय राष्ट्रीय सौर उर्जा संस्थान में स्थापित होने और दोनो के बीच जीवंत संबंध बनने से दोनों ही संस्थानों को बहुत ही फायदा होगा। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन की कल्पना एक विशेष मंच के रूप में की गई है और इसका आम लक्ष्य इसके सदस्य देशों में सौर ऊर्जा और सौर उपकरणों के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में योगदान देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन पर पेरिस घोषणा प्रतिस्पर्धी सौर पीढ़ी, वित्तीय साधनों की तत्काल तैनाती के लिए वित्त और प्रौद्योगिकी की लागत को कम करने के लिए नए और ठोस प्रयास शुरू करने के लिए सामूहिक महत्वाकांक्षा का हिस्सा है जो बताता है सस्ती सौर ऊर्जा की भारी तैनाती के लिए 2030 तक 1000 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक धन निवेश की जरूरत है ताकि भविष्य सौर पीढ़ी, भंडारण और देशों की व्यक्तिगत जरूरतों के लिए अच्छी प्रौद्योगिकियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, फ्रांस सरकार और संयुक्त अरब अमीरात की सरकार के कई मंत्री इस अवसर पर उपस्थित थे।

नई दिल्ली स्थित 60 से अधिक निवासी राजनयिक मिशनों से प्रतिनिधि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, भारतीय उद्योगों और व्यापार, मीडिया के प्रतिनिधियों की एक बड़ी संख्या और हरियाणा के किसान इस मौके पर उपस्थित थे। ■

स्मार्ट सिटी मिशन से बदलेगा भारत

✍ एम. वेंकैया नायडु

प्रधानमंत्री ने 'मिशन ट्रांसफॉमेशन' के एक भाग के रूप में सन 2014 में 'स्मार्ट सिटीज' बनाने का प्रस्ताव रखा था। पहले चरण में धन प्रदान करने के लिए 97 नगरों की सूची में से 20 'स्मार्ट सिटीज' की घोषणा कर, पहली बार नगर-विकास में प्रतियोगिता के आधार पर चयनित की गई थी।

स्मार्ट सिटी चैलेंज उन राज्यों में है जो सिद्धान्त रूप में और स्पष्ट प्रतियोगिता के ऐसे नगर है जिनमें केन्द्र कोई दखल नहीं देता है।

ऐसे सभी नगर जो अभी तक योग्य नहीं बने हैं, वे भी 'पोटेंशियल स्मार्ट सिटीज' की सूची में हैं, और अपने प्रस्तावों को पुनः देख करता था, पुनः संशोधन कर 'आगे बढ़' सकते हैं तथा चुनौती के दूसरे राउण्ड में शामिल हो सकते हैं।

पहले चरण में 20 नगरों को धन दिया गया, दूसरे चरण में 40 और तीसरे चरण में 40 नगरों को धन दिया, जिनसे कुछ संख्या 100 तक पहुंच गई। 20 नगरों को पहले चरण में 200 करोड़ रुपए 2015-16 में दिए जाएंगे तथा अगले तीन वर्षों तक प्रत्येक वर्ष 100 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे, जिससे कुल धनराशि 500 करोड़ रुपए बन जाएगी। केन्द्र ने सभी 97 नगरों को 2 करोड़ रुपए दिए थे ताकि राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियां स्मार्ट सिटी योजना प्रस्तावों को तकनीकी सहायता प्रदान कर सकें। भाजपा शासित छत्तीसगढ़, झारखण्ड और गोवा में टॉप 20 में कोई शहर नहीं आ सका है। इससे चयन व्यवस्था में बिना किसी 'भेदभाव' की प्रक्रिया साफ दिखाई देती है।

स्मार्ट सिटी मिशन नगर योजना में 'बॉटम अप' की शुरूआत का प्रतीक है। आवश्यक है, जिसके लिए नगर-स्तरीय योजनाओं का मूल्यांकन करते हुए 16 प्रतिशत का वजन दिया गया है। विभिन्न चरणों में योजनाओं की तैयारी कुल 15.20 मिलियन नागरिकों ने भाग लिया जिसमें 97 भागीदार नगरों की कुल लगभग 12 प्रतिशत जनसंख्या शामिल है।

नागरिकों तथा अन्य स्टेक होल्डरों से सूची से जुड़े mygov.in में 2.5 मिलियन लोगों ने अपने विचार और सुझाव रखे। अन्य दूसरे 11.7 मिलियन लोगों ने अन्य फोरम, जैसे स्टेट गवर्नमेंट पोर्टल्स, टाऊन हाल और पारस्परिक बैठकों तथा अन्य विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

नागरिक बने नेटीजन्स

स्मार्ट सिटी मिशन का प्रमुख तत्व सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग है, ताकि नगर योजना में नागरिकों की भागीदारी हो जिससे लोगों की आवश्यकताओं और वरीयताओं की व्यक्तिगत सूचनाओं का निरन्तर विनिमय हो सके।

मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग टेक्नॉलाजी, राज्यों तथा नगर स्थानीय निकायों से परामर्श कर मैरिट के आधार पर स्मार्ट सिटी योजनाओं के निर्धारण के लिए 43 प्रश्नों का एक सैट तैयार किया है, जिसमें नगर या कस्बे के आकार और टाइप का ध्यान नहीं किया गया है। इस मानकीकृत फार्मेट से नगरों और कस्बों को पूरी तरह से अपनी बात अभिव्यक्त

करने की स्वतंत्रता मिली, जिससे वे अपने प्रत्येक नगर की विविधतापूर्ण बात और अपूर्ण बात को सामने रख सके, अन्यथा ये बातें सामने रखना संभव न हो पाता।

15 दिसम्बर 2015 तक प्राप्त सभी स्मार्ट सिटी योजनाओं को मूल्यांककों को सौंपा गया जिनमें भारतीय और विदेशी विशेषज्ञ शामिल थे।

प्रतियोगिता का आधार कार्यान्वयन फ्रेमवर्क था, जिसमें लागत प्रभावकारिता शामिल थी, जिसे 30 प्रतिशत का वजन दिया गया।

जिसके रिजल्ट ओरिएंटेशन (20 प्रतिशत), नागरिक भागीदार (16 प्रतिशत), प्रस्ताव की स्मार्टनेस (10 प्रतिशत), स्ट्रेटजिक (रणनीतिक) योजना (10 प्रतिशत) विजन तथा लक्ष्य (5 प्रतिशत), प्रमाण-आधारित सिटी प्रोफाइलिंग तथा प्रमुख निर्वहन संकेतक (5 प्रतिशत) और इसके बाद प्रोसेसेज (4 प्रतिशत) रहा)।

इन 20 स्मार्ट नगरों में पांच वर्ष की अवधि के दौरान 50,802 करोड़ के कुल निवेश का अनुमान है। 20 नगरों में से 18 नगर फार्वर्ड प्रस्ताव वाले हैं जिनमें से एक नगर दोनों में आता है।

इन 20 नगरों में सुधार के लिए 26,735 एकड़ का कुल क्षेत्र लिया गया है। जिसमें 425 एकड़ का पुन: विकास का क्षेत्र शामिल है।

स्मार्ट ली लैक्सीबल

परमोच्च 20 नगरों में 11 राज्य और दिल्ली का केन्द्रीय क्षेत्र (यूटी) लिया गया है। अभी भी स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत जम्मू और काश्मीर, 23 राज्यों और केन्द्रीय क्षेत्रों का निर्णय होना शेष है। हम कम्पीटीशन के फास्ट ट्रेक राउण्ड में अपने स्मार्ट सिटी प्रस्तावों को अपग्रेड करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। इन्हें 15 अप्रैल 2016 तक का समय दिया जाएगा कि वे अपने अपग्रेडेड प्रस्ताव रख सके।

शेष 54 नगरों और कस्बों के लिए कम्पीटीशन के दूसरे राउण्ड की शुरूआत होगी। फास्ट ट्रेक कम्पीटीशन में ग्रेड न करने वाले में इस दूसरे राउण्ड में शामिल हो सकेंगे।

98 स्मार्ट सिटीज की प्रस्तावित सूची में बहुत से नगर अटल मिशन फॉर रिजुवीनेशन और अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमरुत), हरिटेज सिटी डेवलेपमेंट और ऑगमेंटेशन योजना (हृदय) और हाउसिंग मिशन शामिल हैं। इससे एकरूपता विकास की शुरूआत होगी।

नगर स्तर पर मिशन के कार्यान्वयन का काम स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) के स्तर पर किया जाएगा, जो सभी पब्लिक और प्राइवेट क्षेत्रों के भागीदारों की पहचान बनेगा। प्रत्येक स्मार्ट सिटी का एसपीवी में एस सीईओ होगा और उसमें केन्द्र तथा राज्य सरकारों और बोर्ड के अर्बन लोकल निकायों के नामिनी होंगे।

स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य भारतीय शहरों में विश्व-स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नॉलॉजी सम्बन्धी सेवाएं, पोषणीय सार्वजनिक परिवहन और सस्ती आवास व्यवस्था तैयार करना है। इस विचार को कोई रोक नहीं सकता है। स्मार्ट सिटी ऐसा ही विचार है। ■

(लेखक केन्द्रीय नगर विकास मंत्री हैं)

पृष्ठ 9 का शेष...

है चाहे गुजरात हो या महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़, झारखंड और हरियाणा हो, वहां हमने परिवर्तन करके दिखाया है। एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक ईज ऑफ बिजनेस के मामले मे, 2014 में, झारखंड 28 वें स्थान पर था। 2014 में झारखंड में भाजपा सरकार बनी। सितंबर, 2015 में जब उक्त सर्वे की रिपोर्ट आई तो झारखंड 28 वें से सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गया। यह भाजपा सरकार का कमाल है। प. बंगाल को भी विकास की दौड़ में यदि आगे निकलना है तो बंगाल की जनता को परिवर्तन करना होगा। मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश आगे बढ़ रहा है और पूरा देश बंगाल की ओर नजरें टिकाए हुए है।

मैं आज बंगाल की जनता से निवेदन करने आया हूं कि यदि बंगाल के अंदर परिवर्तन करना है, विकास करना है और राज्य से सारे देशद्रोही ताकतों को उखाड़ फेंकना है तो यहां पर पूर्ण बहुमत वाली भाजपा की सरकार बनानी होगी। हम मोदी जी के नेतृत्व में बंगाल को विकास के रास्ते पर ले जाएंगे। चाहे चिट फंड का मामला हो, चाहे कानून-व्यवस्था की बात हो, बांगलादेशी घुसपैठियों का मसला हो या फिर जाली नोट का मामला हो हर चीज प. बंगाल में इसलिए बढ़ रही है क्योंकि यहां वोट बैंक की राजनीति करने वाली सरकार है। यदि इस सरकार को बदलकर बंगाल की जनता भाजपा की सरकार लाती है तो मोदी जी के नेतृत्व में बंगाल भी देश के साथ कंधे से कंधे मिलाकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकती है।

आईए, हम सब मिलकर एक विकसित बंगाल बनाएं, प. बंगाल जो देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बना है उसे समूल नष्ट कर इसे अभेद्य दुर्ग बनाएं। ■

एयरटेल-इकनॉमिक टाइम्स ग्लोबल बिजनेस सम्मेलन

खराब सब्सिडी को खत्म करना होगा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिजनेसमैन और इकॉनमिस्ट सम्मेलन को गरीबों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर जाहिर किया। श्री मोदी ने गवर्नेंस की क्वालिटी सुधारने और गरीबों तक सभी सरकारी योजनाओं को कारगर तरीके से पहुंचाने के वादे को दोहराया। श्री मोदी ने कहा कि आम आदमी को लाभ पहुंचाने के साथ ही भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है।

29 जनवरी को एयरटेल-इकनॉमिक टाइम्स ग्लोबल बिजनेस सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कि जब किसान या गरीब को कुछ लाभ दिया जाता है तो एक्सपर्ट और सरकारी अधिकारी उसे सब्सिडी कहते हैं। लेकिन जब इसी तरह की सब्सिडी इंडस्ट्री को दी जाती है तो उसे इन्सेंटिव या अनुदान कहा जाता है। श्री मोदी ने कहा कि हमें यह तय करना होगा कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल हमारे एटिट्यूड में अंतर को दर्शाता है। संसाधनों के आवंटन में हमें गैर-जरूरी नियंत्रण और बाधाओं को खत्म करना होगा, इसके अलावा नागरिकों के समक्ष विकास के अवसर मुहैया कराने होंगे। श्री मोदी ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हर सब्सिडी अच्छी है। मेरा प्वाइंट है कि ऐसे मामलों में किसी तरह की वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं होनी चाहिए। हमें व्यावहारिक होना चाहिए। हमें खराब सब्सिडीज को खत्म करना होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमें चरम भ्रष्टाचार के दौर को समाप्त किया है। इसे भारतीय और विदेशी, आलोचक और समर्थक सभी महसूस कर रहे हैं। यह मामूली उपलब्धि नहीं है। श्री मोदी ने कहा कि हमने सरकारी बैंकों में राजनीतिक दखल और भाई-भतीजावाद को समाप्त किया है। देश में पहली बार कई सरकारी बैंकों के प्रमुख निजी सेक्टर से बनाए गए हैं। इसके अलावा पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया से प्राकृतिक संसाधनों का उचित बंटवारा किया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यदि सरकार प्रगतिशील है और ईमानदारी से शासन करती है तो उसका सबसे बड़ा फायदा गरीबों को ही होता है। मैं अपने अनुभव से जानता हूं कि यदि खराब गवर्नेंस से अन्य तबकों के मुकाबले सबसे ज्यादा गरीबों को ही नुकसान होता है।

इस असवर पर श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे वक्त में मैं यहां पर भारत ही नहीं विदेश से आए लोगों की भागीदारी देखकर खुश हूं। मुझे भरोसा है कि हम सभी भारतीयों को दूसरे देशों के अनुभवों से फायदा होगा। इस अवसर पर मैं आपको भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति और कारोबारी परिदृश्य के बारे में अपने विचारों से अवगत कराऊंगा। आप में से कुछ लोगों को याद होगा, जो मैंने पहले कहा था कि वास्तविक सुधार नागरिकों की जिंदगी में बदलाव लाना है। जैसा कि मैंने पहले कहा था, मेरा लक्ष्य है, 'बदलाव के लिए सुधार।' चलिए मैं बुनियादी बातों के साथ शुरुआत करता हूं। किसी भी देश की आर्थिक नीति का दिशा निर्देशन करने वाले बुनियादी सिद्धांत क्या होने चाहिए, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए?

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले हमें अपने प्राकृतिक और मानव संसाधनों के इस्तेमाल में सुधार करना है, जिससे हम ज्यादा परिणाम हासिल कर सकें। इसका मतलब संसाधनों के आवंटन की कुशलता बढ़ाना है। इसका मतलब ज्यादा प्रबंधन क्षमता है। इसका मतलब अनावश्यक नियंत्रण और मनमानी को खत्म करना है। दूसरा, हमें अपने नागरिकों के विकास के लिए नए अवसर पैदा करने चाहिए और उनकी पसंद के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। एक आकांक्षी नागरिक के लिए अवसर ऑक्सीजन की तरह काम करते हैं और हम चाहते हैं कि इस दिशा में आपूर्ति की कभी कमी नहीं रहे। सरल शब्दों में इसी का मतलब है 'सबका साथ, सबका विकास।' तीसरा, हमें आम आदमी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है और उससे भी ज्यादा गरीबों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो। जीवन की गुणवत्ता के आर्थिक पहलू हो सकते हैं, लेकिन यह सिर्फ आर्थिक नहीं

है।

श्री मोदी ने कहा कि यदि एक सरकार प्रगतिशील हो और ईमानदारी व कुशल प्रशासन से चल रही है तो सबसे ज्यादा फायदा गरीबों को ही होता है। मैं अपने अनुभवों से जानता हूं कि खराब प्रशासन से दूसरों की तुलना में सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों को होता है। इसीलिए आर्थिक सुधार के लिए प्रशासन में सुधार बेहद अहम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप में से कई लोगों को मालूम होगा कि भारत के अंशदान से वैश्विक अर्थव्यवस्था को फायदा हो सकता है, जब दुनिया के कई हिस्सों में स्थिरता का माहौल है। बीती चार तिमाहियों से भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। 2014-15 में भारत ने क्रय शक्ति के मामले में वैश्विक जीडीपी में 7.4 प्रतिशत का योगदान किया। लेकिन इसने वैश्विक वृद्धि में 12.5 फीसदी का योगदान किया। इस प्रकार वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी की तुलना में भारत का योगदान 68 फीसदी ज्यादा रहा। बीते 18 महीनों के दौरान भारत में एफडीआई में 39 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जब वैश्विक स्तर पर एफडीआई में कमी आ रही थी।

लेकिन एक देश का योगदान अर्थव्यवस्थाओं से आगे होता है। जलवायु परिवर्तन से अपने ग्रह की रक्षा इस पीढ़ी के लिए सबसे ज्यादा अहम कार्य है। यदि एक देश पर्यावरण के हित में काम करता है, तो इससे दूसरे देशों को भी फायदा होता है। यही वजह है कि सीओपी 21 सम्मेलन में भारत ने पृथ्वी के ज्यादा कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इतिहास में जिस भी देश ने विकास किया है, उसने प्रति व्यक्ति ज्यादा उत्सर्जन किया है। हम इतिहास के पुनर्लेखन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हमने 2030 तक अपने जीडीपी की तुलना में उत्सर्जन में 33 फीसदी की कमी लाने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की है। एक ऐसा देश जो पहले से ही प्रति व्यक्ति कम उत्सर्जन कर रहा है, के लिए यह बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। हमने प्रतिबद्धता जाहिर की है कि 2030 तक हमारी बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन से पैदा होगी। हमने अतिरिक्त कार्बन सिंक के निर्माण की भी प्रतिबद्धता जाहिर की है, जो 2.5 अरब टन कार्बन के समान होगी। ऐसा 2030 तक अतिरिक्त वन्य क्षेत्र तैयार करके किया जाएगा। यह प्रतिबद्धता एक ऐसे देश की तरफ से है, जहां प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता पहले से काफी कम है। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस के शुभारंभ की अगुआई की है, जिसमें 121 देश शामिल हैं। इस पहल से अफ्रीका से दक्षिण अमेरिका तक कई विकासशील देशों को फायदा होगा, जो अक्षय ऊर्जा का फायदा उठा सकते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, वृद्धि हुई है और महंगाई कम हुई है। विदेशी निवेश बढ़ा है और राजकोषीय घाटा कम हुआ है। वैश्विक व्यापार में मंदी के बावजूद भुगतान घाटे का संतुलन भी कम हुआ है।

श्री मोदी ने कहा कि 2013-14 में कुल 3,500 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की मंजूरी हुई। लेकिन इस

प्रधानमंत्री के संबोधन की मुख्य बातें

- 2015 में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा यूरिया खाद का उत्पादन हुआ।
- 2015 में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा मिश्रित ईंधन के रूप में एथेनोल का उत्पादन हुआ, जिससे गन्ना किसानों को लाभ होता है।
- 2015 में ग्रामीण गरीबों को अब तक का सबसे ज्यादा घरेलू गैस कनेक्शन जारी किया गया।
- 2015 में अब तक का सबसे ज्यादा कोयले का उत्पादन हुआ।
- 2015 में अब तक का सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन हुआ।
- 2015 में बड़े बंदरगाहों से अब तक की सबसे ज्यादा मात्रा में सामान की आवाजाही हुई।
- 2015 में अब तक की सबसे ज्यादा रेलवे पूंजी लागत में बढ़ोत्तरी हासिल की गई।
- 2015 में अब तक के सबसे ज्यादा किलोमीटर नए राजमार्ग की ख्याति अर्जित की गई।
- 2015 में भारत का अब तक का सबसे ज्यादा मोटर गाड़ी का उत्पादन किया गया।
- 2015 में भारत से अब तक का सबसे ज्यादा साफ्टवेयर का निर्यात किया गया।
- 2015 में भारत ने वर्ल्ड बैंक डूइंग बिजनेस इंडिकेटर्स के मामले में अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल की।
- 2015 में भारत का अब तक सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार अर्जित किया गया।

सरकार के आने के बाद से इसमें दोगुने से भी ज्यादा की वृद्धि हुई, करीब 8,000 किलोमीटर, जो कि अब तक का सबसे ज्यादा है। इस साल हमारी योजना 10,000 किलोमीटर मंजूर करने की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय जहाजरानी निगम ने 2013-14 में 275 करोड़ रुपये का घाटा उठाया और 2014-15 में इसने 201 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। एक साल में ही 575 करोड़ रुपये की आवाजाही हुई। 2013-14 में भारत ने ऊर्जा सक्षम एलईडी लाइट के वैश्विक मांग का केवल 0.1 प्रतिशत हासिल किया। 2015-16 में ये बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया। अब भारतीय एलईडी बल्ब सबसे सस्ते हैं और दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले इसकी लागत एक डॉलर से भी कम है जबकि वैश्विक औसत 3 डॉलर का है। 2013-14 में भारत ने 947 मेगावॉट सौर ऊर्जा प्लांट्स को मंजूरी दिया। 2015-16 में यह 2500 मेगावॉट तक बढ़ गया। 2016-17 में इसके 12000 मेगावॉट तक बढ़ने की संभावना है। वैश्विक सौर ऊर्जा बाजार में भारत की हिस्सेदारी 2014 में 2.5 से बढ़कर 2016 में 18 प्रतिशत तक हो जाएगी।

भारत का पारंपरिक आधारों में से एक रही है। लेकिन दुखद रूप से पिछले कुछ सालों में इसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। 'व्यापार' और 'लाभ' खराब शब्द हो चले थे। हमने इसे बदला है। हमें उद्यमों की साख व कड़ी मेहनत की जरूरत है ना कि धन की। मुद्रा से लेकर स्टॉर्ट अप इंडिया व स्टैंड-अप इंडिया जैसे हमारे कार्यक्रम कड़ी मेहनत व उद्यमिता के अवसर मुहैया कराएंगे। इस क्रम में हमने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों व महिलाओं पर विशेष जोर दिया है। हम उन्हें खुद के मुकद्दर का सिंकदर बनने योग्य बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल स्वच्छ ऊर्जा के मामले में हिस्सेदारी ही नहीं कर रहा बल्कि पूरी दुनिया में इसके बड़े पैमाने पर लागत में भी कमी लाकर योगदान दे रहा है। 2013-14 में 16800 किलोमीटर ट्रांसमीशन लाइनें जोड़ी गईं। पूरे बिजली क्षेत्र में, बिजली उत्पादन की लागत में 30 प्रतिशत की कमी आई।

उन्होंने कहा कि हमने दुनिया के सबसे बड़े और सबसे सफल आर्थिक समावेशन कार्यक्रम शुरू किए हैं। इससे करीब 20 करोड़ लोग जिनका बैंकों में खाता नहीं था उन्हें बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है। कार्यक्रम के शुरू के दिनों में कुछ शक्की लोगों को लगा कि इन खातों में एक भी रुपया नहीं होगा। लेकिन आप को ये जानकर आश्चर्य होगा कि आज इन खातों में 30,000 करोड़ रुपये या 4 बिलियन डॉलर से ज्यादा की रकम है। हमने उन लोगों को बड़े पैमाने पर ऋण कार्ड भी जारी किया है। भारत अब उन कुछ देशों में है जहां देशी क्रेडिट कार्ड ब्रांड के बाजार में हिस्सेदारी 33 प्रतिशत से ज्यादा है।

श्री मोदी ने कहा कि हमने फसल बीमा के लिए एक नया व विस्तृत कार्यक्रम शुरू किया है। इससे किसानों को बेफिक्र होकर खेती करने में सक्षम बनाया जा सकेगा और किसी जोखिम की स्थिति में राज्य उन्हें सुरक्षा प्रदान करेगा। हमने अपने किसानों को सशक्त करने के लिए मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड जारी किया है। ये कार्ड हर एक किसान को उसकी मिट्टी के बारे में सटीक जानकारी देगा। इससे उन्हें रासायनिक खादों को अधिक इस्तेमाल को कम करने व मिट्टी की गुणवत्ता को सुधार कर अधिक मात्रा में फसल का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्यमिता, भारत का पारंपरिक आधारों में से एक रही है। लेकिन दुखद रूप से पिछले कुछ सालों में इसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। 'व्यापार' और 'लाभ' खराब शब्द हो चले थे। हमने इसे बदला है। हमें उद्यमों की साख व कड़ी मेहनत की जरूरत है ना कि धन की। मुद्रा से लेकर स्टॉर्ट अप इंडिया व स्टैंड-अप इंडिया जैसे हमारे कार्यक्रम कड़ी मेहनत व उद्यमिता के अवसर मुहैया कराएंगे। इस क्रम में हमने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों व महिलाओं पर विशेष जोर दिया है। हम उन्हें खुद के मुकद्दर का सिंकदर बनने योग्य बनाना चाहते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि शहरों व कस्बों की वृद्धि के लिए अवसर पैदा करना बहुत निर्णायक है। शहरी क्षेत्र वृद्धि के चालक हैं। शहरी क्षेत्रों में बदलाव के लिए स्मार्ट सिटी मिशन जैसी महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस मिशन में कई तरह के 'पहली बार' होंगे। यह पहली बार होगा कि शहरों में कुछ हिस्सों का व्यवस्थित व गुणवत्तापूर्ण तरीके से उनका समग्र विकास किया जाएगा। ये हिस्से प्रकाश स्तंभ की तरह काम करेंगे जो शहर के बाकी हिस्सों को भी आमतौर पर

प्रभावित करेंगे। इसने व्यापक पैमाने पर नागरिक परामर्श पहली बार शुरू किया जा रहा है। MyGov मंच के जरिये करीब 25 लाख लोग इसमें परिचर्चाओं, जनमत, ब्लॉग व बातचीत के जरिये अपने विचार देने के लिए भाग ले रहे हैं। शहरी योजनाओ में ऊपर से नीचे तक के दृष्टिकोण में पहली बार बड़ा बदलाव आया है। यह पहली बार है कि सरकारी योजनाओं में फंड का आवंटन मंत्रियों या अधिकारियों के फैसलों से नहीं बल्कि प्रतियोगिता के आधार पर हो रहा है। यह प्रतिस्पर्धी व सहयोगी संघवाद का अच्छा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि हमने राष्ट्रीयकृत बैंकों में राजनीतिक हस्तक्षेप व आवारा पूंजी को खत्म किया है। हमने पहली बार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में निजी क्षेत्र के लोगों को सर्वोच्च पदों पर नियुक्त किया है। घोटालों से भरे प्राकृतिक संसाधन क्षेत्रों में नीलामी की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है। कई सारे विशेषज्ञों ने सब्सिडी खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया है। नई जन धन योजना के जरिये बैंकिग से सभी को जोड़कर सब्सिडी के बंदरबांट को रोका है। विकासशील देशों में आमतौर पर ईंधन पर दी जाने वाली सब्सिडी को संभालना मुश्किल होता है। हमने सफलतापूर्वक खाना बनाने के गैस के मूल्यों को विनियंत्रित किया है।

हमने राष्ट्रीयकृत बैंकों में राजनीतिक हस्तक्षेप व आवारा पूंजी को खत्म किया है। हमने पहली बार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में निजी क्षेत्र के लोगों को सर्वोच्च पदों पर नियुक्त किया है। घोटालों से भरे प्राकृतिक संसाधन क्षेत्रों में नीलामी की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है। कई सारे विशेषज्ञों ने सब्सिडी खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया है। नई जन धन योजना के जरिये बैंकिग से सभी को जोड़कर सब्सिडी के बंदरबांट को रोका है। विकासशील देशों में आमतौर पर ईंधन पर दी जाने वाली सब्सिडी को संभालना मुश्किल होता है। हमने सफलतापूर्वक खाना बनाने के गैस के मूल्यों को विनियंत्रित किया है।

श्री मोदी ने कहा कि अब हम घरेलू गैस के मामले में दुनिया के सबसे बड़े प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना पर काम कर रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक प्रमाण के जरिये फर्जी सब्सिडी को खत्म किया गया है। इससे जरूरत मंद लोगों को उनका लाभ मिला है और जो गैर-जरूरतमंद हैं उन्हें इसका लाभ बंद किया गया है। इससे सब्सिडी में अहम कमी आई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक अन्य सस्ता ईंधन केरोसीन है जिसका उपयोग गरीबों द्वारा खाना बनाने व रोशनी के लिए किया जाता है जो कि राज्य सरकारों द्वारा वितरित किया जाता है। इस बात के पक्के सुबूत हैं कि केरोसीन पर दी जाने वाली सब्सिडी का बड़े पैमाने पर गलत इस्तेमाल हो रहा है और वो कहीं और जा रही है। हमने 33 जिलों में बाजार भाव पर केरोसीन बेचना शुरू किया है। बाजार भाव के केरोसीन व सब्सिडी वाले केरोसीन के दाम में अंतर को उन गरीब लोगों के खातों में जमा किया जाएगा। गरीबों की पहचान बैंक खातों व बायोमैट्रिक पहचान पत्र आधार के जरिये की जाएगी। इससे नकली, अयोग्य व फर्जी उपभोक्ताओं को खत्म किया जा सकेगा। इस खात्मे से कुल सब्सिडी में कमी आएगी। हमने तय किया है कि इस तरह की बचत का 75 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों को देंगे। इसीलिए, हम लोगों ने राज्य सरकारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं कि वो सभी जिलों में इसे लागू करें।

श्री मोदी ने कहा कि चंडीगढ़ का अनुभव ये जाहिर करता है कि ये संभव है। अप्रैल 2014 में चंडीगढ़ में सब्सिडी वाले केरोसीन के 68,000 लाभार्थी थे। सभी योग्य परिवारों को गैस कनेक्शन देने का अभियान शुरू किया गया। 10,500 नए गैस कनेक्शन जारी किए गए। 42,000 उन परिवारों का केरोसीन कोटा बंद कर दिया गया जिनके पास पहले से ही गैस कनेक्शन थे। 31 मार्च, 2016 के अंत तक चंडीगढ़ केरोसीन मुक्त घोषित हो जाएगा। आप इस पर विश्वास करें या नहीं लेकिन अभी तक के इस पहले से केरोसीन की खपत में 73 प्रतिशत की बचत हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सब्सिडी का एक बहुत बड़ा भाग हिस्सा उर्वरकों में व्यय होता है। सब्सिडी वाले यूरिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा गैर-कानूनी रूप से रसायनों के निर्माण के लिए प्रयोग किया जाता है। हमने इसके लिए एक आसान लेकिन प्रभावी तकनीक यूरिया पर नीम की परत चढ़ाने की शुरूआत की है। जैविक नीम की यह परत उर्वरक को अन्य प्रयोगों के लिए अनुपयोगी बना देती है। हमने घरेलू और आयात किए गए यूरिया में सौ प्रतिशत नीम की परत चढ़ाने का लक्ष्य प्राप्त किया है। इसके कई अन्य दूसरे लाभ भी हैं। यूरिया के लिए नीम की पत्तियों को जमा करना ग्रामीण महिलाओं के लिए आय का एक नया साधन बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने एक वायदा भी किया, हर कनेक्शन छोड़ने पर हम एक निर्धन परिवार को गैस कनेक्शन

प्रदान करेंगे। ग्रामीण भारत में निर्धन महिलाएं मुख्य रूप से लकड़ी या जैव ईंधन का इस्तेमाल करती हैं और धूएं के कारण समस्याग्रस्त रहती हैं। यह योजना पूर्ण रूप से वैकल्पिक है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 65 लाख लोगों ने भारत में मेरे अनुरोध का उत्तर दिया। मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि उनमें से कई लोग आगे आए और गरीबों को लाभ देने की शर्त के बिना भी उन्होंने अपनी सब्सिडियां छोड़ दीं। अब तक निर्धनों को 50 लाख नये कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। यह लोगों की भावना और भारतीयों के बीच स्वयं का सम्मान करने की भावना को प्रदर्शित करता हूं और नागरिकों के कार्यों की क्षमता का प्रदर्शन करता है। एक और उदाहरण जहां नागरिकों ने मेरे अनुरोध को स्वीकार किया, वह है खादी। अक्टूबर, 2014 में मैंने सभी भारतीयों से कम से कम खादी का एक वस्त्र खरीदने का अनुरोध किया था। इसके जवाब में खादी की बिक्री में बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है।

भारत जहां सभी लड़कियां शिक्षित और सशक्त हों। भारत जहां हर लड़का और लड़की कौशल युक्त हो और उत्पादक रोजगार के लिए तैयार हो। भारत जहां कृषि, उद्योग और सेवा प्रदाता, सभी रोजगार की आवश्यकता वाले लोगों को उचित वेतन वाले रोजगार देने की क्षमता रखते हों। भारत जहां किसान भूमि की स्थिति जानते हों, श्रेष्ठ उपकरण और बीजों से लैस हो और उत्पादकता के विश्वस्तर तक पहुंच वाले हों। भारत जहां उद्यमियों चाहे वो बड़े या छोटे हों सभी की पूंजीगत और ऋण सुविधा तक पहुंच हो।

उन्होंने कहा कि हमने घाटा उठाने वाली विद्युत वितरण कंपनियों की समस्या का समाधान करने में नई नीति अपनाई है। उदय कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा बैंक ऋणों के संबंध में लघु अवधि की ऋण राहत प्रदान की गई है। लेकिन यह दीर्घकालिक वितरण कंपनियों और राज्य सरकारों को समर्थन देने के साथ जुड़ी है। इससे चौबीसों घंटे विद्युत वितरण करने में सहायता प्राप्त होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश पुराने और गैर-जरूरी कानूनों से दबा पड़ा है, जो लोगों और व्यापार में बाधा उत्पन्न करते हैं। हमने गैर-जरूरी कानूनों की पहचान करने और उन्हें वापस लेने का कार्यक्रम शुरू किया है। वापस लेने के लिए 1827 केन्द्रीय कानूनों की पहचान की गई है। इनमें से 125 पहले ही वापस लिए जा चुके हैं, जबकि अन्य 758 कानूनों को वापस लेने संबंधी प्रस्ताव लोकसभा द्वारा पास किए जा चुके हैं और इन्हें राज्यसभा की अनुमति मिलना शेष है।

श्री मोदी ने कहा कि हमें एक संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था प्राप्त हुई थी, जो मुद्रा संकट से निपटी ही थी। हमने दो वर्ष से भी कम अवधि में भारत को विदेशी निवेश और विकास के मुख्यधारा में ला खड़ा किया है। दोस्तों, हमें एक लंबे रास्ते पर जाना है, लेकिन मैं महसूस करता हूं कि हमारी यात्रा की शुरूआत अच्छी हुई है। सभी लंबी यात्राओं के समान हमारे मार्ग में भी बाधाएं आएंगी, लेकिन मुझे भरोसा है कि हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे। हमने भविष्य और नये भारत के लिए एक मंच का निर्माण किया है। भारत जहां सभी बच्चों का सुरक्षित जन्म हो और जहां नवजात शिशु और माता मृत्यु दर विश्व स्तर से कम हो। भारत जहां कोई भी बिना आवास के न हो। भारत जहां हर कस्बा और हर गांव, हर स्कूल और ट्रेन, हर गली और घर स्वच्छ हो। भारत जहां हर गांव में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध हो। भारत जहां हर शहर रहने योग्य और जोशपूर्ण हो।

भारत जहां सभी लड़कियां शिक्षित और सशक्त हों। भारत जहां हर लड़का और लड़की कौशल युक्त हो और उत्पादक रोजगार के लिए तैयार हो। भारत जहां कृषि, उद्योग और सेवा प्रदाता, सभी रोजगार की आवश्यकता वाले लोगों को उचित वेतन वाले रोजगार देने की क्षमता रखते हों। भारत जहां किसान भूमि की स्थिति जानते हों, श्रेष्ठ उपकरण और बीजों से लैस हो और उत्पादकता के विश्वस्तर तक पहुंच वाले हों। भारत जहां उद्यमियों चाहे वो बड़े या छोटे हों सभी की पूंजीगत और ऋण सुविधा तक पहुंच हो।

भारत जहां स्टार्टअप और अन्य व्यवसायों, नवाचार समाधान प्रदान करते हों। भारत जो वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अग्रणी हो। भारत जो स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी हो। भारत जहां हर नागरिक को मूल सामाजिक सुरक्षा और वृद्धावस्था में पेंशन उपलब्ध हो। भारत जहां नागरिक सरकार पर भरोसा और सरकार उन पर भरोसा करती हो और इन सब से ऊपर एक बदला हुआ भारत, जहां सभी नागरिकों को उनकी क्षमताओं को प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो। ■

खादी में करोड़ों लोगों को रोजगार देने की ताकत : नरेंद्र मोदी

साल 2016 का पहला और प्रधानमंत्री के रूप में मन की बात के 16वें संस्करण में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 जनवरी को कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिये खादी का आज के युवाओं में जबरदस्त क्रेज हो गया है। इतना ही नहीं, खादी में करोड़ो लोगों को रोजगार देने की भी ताकत है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हम सब एक साथ चलें, हम सब एक स्वर में बोलें और हमारे मन एक हों, यही राष्ट्र की सच्ची ताकत है। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की बातों का उल्लेख करते हुए कहा, सरदार पटेल कहते थे कि हिंदुस्तान की अंहिसा और आजादी खादी में है। इसलिए देशवासी अपने कपड़ों में एक जोड़ी खादी का कपड़ा जरूर रखें। महात्मा गांधी भी टेक्नोलॉजी के अपग्रेडेशन के लिए तैयार थे। रेलवे समेत कई मिनिस्ट्री ने खादी को बढ़ावा देने के लिए इनिसियेटिव लिए हैं। आजकल युवाओं में भी खादी का क्रेज काफी बढ़ गया है।

हाल ही में घोषित फसल बीमा योजना के फायदों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से पूरे देश में इसकी जानकारी फैलाने में सहयोग का आग्रह किया ताकि अगले दो वर्षो में कम से कम 50 प्रतिशत किसान इसके दायरे में लाये जा सके। आकाशवाणी पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने बालिकाओं को बचाने के बारे में जागरूकता फैलाने एवं स्टार्ट अप कार्यक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने फरवरी माह में विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू सहित कुछ अन्य मुद्दों के बारे में भी लोगों से अपने विचार साझा किये।

श्री मोदी ने कहा, 'हमारे देश में किसानों के नाम पर बहुत-कुछ बोला जाता है, बहुत-कुछ कहा जाता है। खैर, मैं उस विवाद में उलझना नहीं चाहता हूं। लेकिन किसान का एक सबसे बड़ा संकट है, प्राकृतिक आपदा में उसकी पूरी मेहनत पानी में चली जाती है। उसका साल बर्बाद हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'उसको सुरक्षा देने का एक ही उपाय अभी ध्यान में आता है और वह फसल बीमा योजना है। 2016 में भारत सरकार ने एक बहुत बड़ा तोहफा किसानों को दिया है - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना।'

श्री मोदी ने कहा, 'इस योजना की तारीफ हो, वाहवाही हो, प्रधानमंत्री को बधाइयां मिले, यह इसके लिये नहीं है। हमारा प्रयास है कि संकट में पड़े किसान को इसका भरपूर फायदा मिले।' किसानों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इतने सालों से फसल बीमा की चर्चा हो रही है, लेकिन देश के 20-25 प्रतिशत से ज्यादा किसान उसके लाभार्थी नहीं बन पाए हैं, उससे जुड़ नहीं पाए हैं। 'क्या हम संकल्प कर सकते हैं कि आने वाले एक-दो साल में हम कम से कम देश के 50 प्रतिशत किसानों को फसल बीमा से जोड़ सकें?

मुख्य बातें

- खादी को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अपील की कि अपने कपड़ों में खादी की कम से कम एक पोशाक जरूर शामिल करें।
- श्री मोदी ने कहा कि 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' मुहिम में गुजरात और हरियाणा ने बहुत अच्छा काम किया है।
- उन्होंने अगले कुछ वर्षो में फसल बीमा योजना से देश के 50 फीसदी किसानों को जोड़ने पर जोर दिया।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके मन की बात कार्यक्रम को अब मोबाइल पर भी सुना जा सकता है जिसके सिर्फ एक नंबर पर मिस्ड कॉल देनी होगी।
- स्वच्छता की बात करते हुए श्री मोदी ने बताया कि कई शहरों में आम लोग रेलवे स्टेशनों को सजाने में जुटे हैं।
- स्टार्टअप अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आईटी या कुछ चुनिंदा पेशों के लिए नहीं है।
- 10वीं और 12वीं की परीक्षा दे चुके छात्रों से मोदी ने ऐसे सुझाव मांगें जिनसे जल्द ही परीक्षा में बैठने वाले छात्र भी तनावमुक्त हो कर परीक्षा दे सकें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खादी एक राष्ट्रीय प्रतीक और युवा पीढ़ी के आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके जरिये भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपने को उनकी सरकार आगे बढ़ा रही है और विभिन्न सरकारी संस्थान आगे बढ़कर खादी के उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नव गठित खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग नये अवसरों एवं चुनौतियों को ध्यान में रखकर कई महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। इन पहलों के तहत सौर चरखा और सौर लूम से उत्पादन के सफल प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाले चरखा और लूम से बुनकर पहले से कम मेहनत में अधिक उत्पादन और दोगुनी आमदनी पा सकेंगे।

फरवरी में विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि 4 से 8 फरवरी तक भारत इसकी मेजबानी कर रहा है। पूरा विश्व, हमारे यहां मेहमान बन कर आ रहा है और हमारी नौसेना इस मेजबानी के लिए पूरे जोश से तैयारी कर रही है। दुनिया के कई देशों के युद्धपोत, नौसेना के जहाज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के समुद्री तट पर इकट्ठे हो रहे हैं।

हरियाणा में तो और भी अच्छी बात हुई कि गत एक वर्ष में जिस परिवार में बेटी का जन्म हुआ है, उन परिवारजनों को 26 जनवरी के निमित्त विशेष रूप से निमंत्रित किया और वी.आई.पी. के रूप में प्रथम पंक्ति में उनको स्थान दिया गया। ये अपने आप में इतना बड़ा गौरव का पल था, क्योंकि हरियाणा में एक हजार बेटों के सामने जन्म लेने वाली बेटियों की संख्या बहुत कम हो गयी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह भारत के समुद्र तट पर हो रहा है। यह विश्व की सैन्य-शक्ति और हमारी सैन्य-शक्ति के बीच तालमेल का एक प्रयास है। एक बहुत बड़ा अवसर है।' उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण है और भारत का सामुद्रिक इतिहास स्वर्णिम रहा है। संस्कृत में समुद्र को उदधि या सागर कहा जाता है। इसका अर्थ है अनंत प्रचुरता।

उन्होंने कहा कि सीमायें हमें अलग करती होंगी, जमीन हमें अलग करती होगी, लेकिन जल हमें जोड़ता है, समुद्र हमें जोड़ता है। समंदर से हम अपने-आप को जोड़ सकते हैं, किसी से भी जोड़ सकते हैं। और हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले विश्व भ्रमण करके, विश्व व्यापार करके इस शक्ति का परिचय करवाया था। चाहे छत्रपति शिवाजी हों, चाहे चोल साम्राज्य हो - सामुद्रिक शक्ति के विषय में उन्होंने अपनी एक नई पहचान बनाई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी का पर्व बहुत उमंग और उत्साह के साथ हमने मनाया। आतंकवादी क्या करेंगे, इसकी चिंता के बीच देशवासियों ने हिम्मत दिखाई, हौसला दिखाया और आन-बान-शान के साथ इस पर्व को मनाया। उन्होंने कहा कि लेकिन हरियाणा और गुजरात, दो राज्यों ने एक बड़ा अनोखा प्रयोग किया। इस वर्ष उन्होंने हर गांव के सरकारी स्कूल में ध्वजवंदन करने के लिए, उस गांव की सबसे पढ़ी-लिखी बेटी को चुना।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा में तो और भी अच्छी बात हुई कि गत एक वर्ष में जिस परिवार में बेटी का जन्म हुआ है, उन परिवारजनों को 26 जनवरी के निमित्त विशेष रूप से निमंत्रित किया और वी.आई.पी. के रूप में प्रथम पंक्ति में उनको स्थान दिया गया। ये अपने आप में इतना बड़ा गौरव का पल था, क्योंकि हरियाणा में एक हजार बेटों के सामने जन्म लेने वाली बेटियों की संख्या बहुत कम हो गयी थी। बड़ी चिंता थी, सामाजिक असंतुलन का विषय उत्पन्न हो गया था।

विज्ञान भवन में 16 जनवरी को आयोजित स्टार्टअप कार्यक्रम का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि सारे देश के नौजवानों में नयी उर्जा, नयी चेतना, नई उमंग, नये उत्साह का अनुभव किया। लेकिन इस बारे में एक सामान्य लोगों की सोच है कि स्टार्ट अप का मतलब कि आईटी क्षेत्र की बातें, बहुत ही उन्नत कारोबार से जुड़ा है। इस आयोजन के बाद ये भ्रम टूट गया। आईटी तो इसका एक छोटा सा हिस्सा है। जीवन विशाल है, आवश्यकताएं अनंत हैं। स्टार्ट अप भी अनगिनत अवसरों को लेकर आता है।

स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाने के बारे में काफी भावनात्मक होते हैं लेकिन बाद में हम बेपरवाह हो जाते हैं। और दूसरी बात प्रजासत्तात्मक पर्व है तो हम कर्तव्य पर भी बल कैसे दें, कर्तव्य की चर्चा कैसे हो? अधिकारों की चर्चा बहुत हुई है और होती भी रहेगी, लेकिन कर्तव्यों पर भी तो चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के कई स्थानों पर नागरिक आगे आए, सामाजिक संस्थाएं आगे आई, शैक्षिक संस्थाएं आगे आई, कुछ संत-महात्मा आगे आए और उन सबने कहीं-न-कहीं जहां महापुरुषों की प्रतिमाएं हैं, उसकी सफाई

की, परिसर की सफाई की। एक अच्छी शुरूआत हुई है, और ये सिर्फ स्वच्छता अभियान नहीं है, ये सम्मान अभियान भी है।

प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में देश में कई रेलवे स्टेशनों पर वहां के स्थानीय नागरिकों, स्थानीय कलाकारों एवं अन्य लोगों की स्थानीय कला को केंद्र में रखते हुए दीवारों की पेंटिंग, साइन-बोर्ड अच्छे ढंग से बनाने का जिक्र किया। उन्होंने इसके बारे में रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, अस्पताल, स्कूल, मंदिरों, गिरजाघरों, मस्जिदों के आस-पास साफ सफाई पर ध्यान देने का भी आग्रह किया।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजघाट जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शहीदों को नमन करने का यह प्रतिवर्ष होने वाला कार्यक्रम है। यह स्वभाव बनना चाहिए, इसे हमें अपनी राष्ट्रीय जिम्मेवारी समझना चाहिए? और यही बातें हैं जो देश के लिये हमें जीने की प्रेरणा देती हैं । हर वर्ष 30 जनवरी ठीक 11 बजे सवा-सौ करोड़ देशवासी 2 मिनट के लिये मौन रखें। आप कल्पना कर सकते हैं कि इस घटना में कितनी बड़ी ताकत होगी ।

आने वाले दिनों में होने वाली दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा है कि इनमें सफल होने वाले विद्यार्थी इस बारे में अनुभव मेरे साथ साझा करें कि परीक्षा के दिन उन्होंने तनावमुक्त होकर कैसे गुजारे हैं, परिवार में क्या माहौल बना, गुरुजनों ने, शिक्षकों ने क्या सहयोग किया, स्वयं ने क्या प्रयास किये, सीनियर लोगों ने उनको क्या बताया और क्या किया। ■

पार्टी पुस्तकालय एवं अभिलेखागार का उद्घाटन संपन्न

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय 11, अशोक रोड में पुस्तकालय एवं अभिलेखागार का उद्घाटन किया। इसके पूर्व पुस्तकालय समिति की बैठक हुई। श्री शाह ने बताया कि हमारा यह पुस्तकालय केवल पार्टी के लिये नहीं वरन् समग्र समाज के लिए होना चाहिए। अत: न केवल राष्ट्रवादी विचार-परिवार वरन् भारत की सम्पूर्ण सामाजिक-राजनैतिक परम्परा को प्रस्तुत करने वाला होना चाहिए हमारा पुस्तकालय। सभी दल एवं आन्दोलनों को भी अभिलिखित करने की व्यवस्था यहां रहेगी।

यह उद्घाटन तो केन्द्रीय कार्यालय में हो रहा है, लेकिन यह केवल केन्द्रीय कार्यालय का उपक्रम नहीं है, यह राष्ट्रव्यापी होगा। पुस्तकालय एवं अभिलेखागार की यह व्यवस्था प्रत्येक प्रांतीय एवं जिला कार्यालय में भी होगी। इसके लिए एक अखिल भारतीय टोली का भी निर्माण होगा। इसके लिए कार्य का विभाजन भी हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनसंघ में पुस्तकालय एवं अभिलेखागार का सदैव ही महत्व रहा है। अभी बदले हुए युग एवं पार्टी की विस्तारित गतिविधियों के हिसाब से इसे पुनर्गठित होने की आवश्यकता है, उसे तकनीकी तौर पर डिजिटल-युग के अनुसार पुनर्निर्मित होना चाहिए। पार्टी इसे एक अभियान के रूप में लेगी।

उद्घाटन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री रामलाल, महामंत्री डॉ. अनिल जैन, वरिष्ठ सदस्य डॉ. महेश चन्द्र शर्मा, श्री सुनील पाण्डे, श्री आशीर्वाथम आचार्य तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान के निदेशक डॉ. अनिर्बान गांगुली भी उपस्थित थे। ■